www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
21 जून 2026
वर्षः 49
अंकः 58 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

पीएम ओडिशा के पहाड़पुर में राष्ट्रपति के ससुराल पहुंचे

राज्य में 47600 करोड़ रु. के प्रोजेक्ट्स लॉन्च करेंगे, आज द्रौपदी मुर्मू का 68वां जन्मदिन

मयूरभंज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर ओडिशा पहुंचे। मयूरभंज जिले के पहाड़पुर हेलीपैड पर राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पीएम का स्वागत किया। इसके बाद मोदी, CM माझी के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ससुराल पहाड़पुर पहुंचे। यहां राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री ने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री पहाड़पुर स्थित स्किल ट्रेनिंग हब गए। वहां छात्रों से बात की। दोनों ने यूरभंज में संथाल समुदाय के पवित्र स्थल संथाली जाहेरा और हो जाहेरा में पूजा-अर्चना भी की। इस दौरान पीएम के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 68वां जन्मदिन भी है। मयूरभंज में पीएम और राष्ट्रपति आज राज्य में इखढ सरकार के दो साल पूरे होने के कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इस दौरान एनर्जी, इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क, पीने का पानी, हेल्थ, एजुकेशन, टूरिज्म और सिंचाई से जुड़े 47,600 करोड़ रुपये से ज्यादा के प्रोजेक्ट का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को ओडिशा पहुंची थीं। वे पश्चिम बंगाल के कलाईकुंडा एयरफोर्स स्टेशन से हेलिकॉप्टर लेकर ओडिशा आने वाली थीं। हालांकि खराब मौसम के कारण उनका हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। इसके कारण उन्हें सड़क मार्ग से ओडिशा आना पड़ा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार रात रायरंगपुर स्थित अपने आवास पर रुकी थीं। शनिवार सुबह पहाड़पुर पहुंचीं। यहां उनके जन्मदिन पर लोगों ने फूल देकर, पारंपरिक ढोल-नगाड़ों और आदिवासी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जन्म 20 जून 1958 को ओडिशा के मयूरभंज जिले के उपरबेड़ा गांव में एक आदिवासी संथाल परिवार में हुआ था। उनकी शादी 1980 में श्याम चरण मुर्मू से हुई थी, जिनका पैतृक गांव मयूरभंज जिले का पहाड़पुर है। यहीं उनके ससुराल का घर है। शादी के बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने शिक्षक और सरकारी कर्मचारी के रूप में काम किया, फिर राजनीति में कदम रखा। उन्होंने 1997 में रायरंगपुर नगर पंचायत की पार्षद के रूप में राजनीतिक सफर शुरू किया। 2000 और 2004 में रायरंगपुर से विधायक चुनी गईं और ओडिशा सरकार में मंत्री रहीं। 2015 में वह झारखंड की पहली महिला राज्यपाल बनीं। इसके बाद 2022 में राष्ट्रपति चुनाव जीतकर भारत की पहली आदिवासी राष्ट्रपति और देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने वाली पहली आदिवासी महिला बनीं।

दिल्ली में रेलवे स्टेशन पर कत्ल से सनसनी

● योग एक्सप्रेस में सीट के लिए पीट-पीटकर मार डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां ट्रेन में चढ़ने के दौरान हुए विवाद में एक यात्री की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बागपत, उत्तर प्रदेश निवासी पंकज धामा के रूप में हुई है। घटना रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन पर योग एक्सप्रेस ट्रेन में उस समय हुई जब यात्री ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पंकज धामा योग एक्सप्रेस ट्रेन में जनरल डिब्बे में चढ़ने की कोशिश कर रहा था, तभी कुछ अन्य यात्रियों के साथ उसका विवाद हो गया, यात्रियों के बीच भारी धक्का-मुक्की शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि अन्य यात्रियों ने पंकज पर लातों और घूंसों से बेरहमी से हमला कर दिया। इस हमले के दौरान पंकज अचेत होकर गिर पड़ा। घटना के समय प्लेटफार्म पर मौजूद रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) के एक सिपाही ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे।घायल पंकज धामा को तुरंत नजदीकी जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रेलवे पुलिस ने तत्काल हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

भाभी को पाने के लिए भाई का कत्ल

आगरा (एजेंसी)। खुशी मेरे बेटे को फंसा गई...एक बेटा दुनिया से गया और एक को पुलिस ले गई। उसे फांसी को सजा होनी चाहिए। आगरा के सदर के सुल्तानपुरा क्षेत्र में रेस्तरां कर्मी अमित उर्फ सोलू की हत्या में उसके छोटे भाई और अमित की पत्नी के जेल जाने के बाद यह बात मां सरोज ने रोते हुए कही। थाना सदर क्षेत्र में चिरोटी बाग, क्वालिटी चौराहे के पीछे बुधवार सुबह खेत में अमित (22) का शव लहूलुहान हालत में मिला था। यह छोटी बस्ती का रहने वाला था। अमित के छोटे भाई भोला ने साथ काम करने वाले युवक पर हत्या का शक जताया था। मगर पुलिस की जांच में वहीं कातिल निकला। उधर, पति की हत्या की साजिश में गिरफ्तार होने के बाद भी खुशी के चेहरे पर शिकन नहीं थी। उसके परिवार के लोग भी उससे मिलने नहीं आए थे। वह महिला पुलिसकर्मियों को बेझिझक पूरी घटना के बारे में बता रही थी। न्यायालय भेजे जाने से पहले मेडिकल के लिए ले जाने पर भी उसके चेहरे पर कोई शिकन नहीं दिखी। भाई का हत्यारा भोला भी मेडिकल के लिए जिला अस्पताल लाए जाने पर मुस्कुरा रहा था।

'शिवसेना-शिंदे गुट कहने का दौर खत्म': अमित शाह

अंबाबाई कॉरिडोर के मंच से शाह बोले: अब सिर्फ एक ही शिवसेना

पहले एकनाथ शिंदे के नाम के साथ शिवसेना-शिंदे गुट कहना पड़ता था। लेकिन अब कोई गुट नहीं बचा है। अब सिर्फ एक ही शिवसेना है।

अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

मुम्बई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना की पहचान और नेतृत्व को लेकर लंबे समय से चल रही बहस के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा बयान दिया है। कोल्हापुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पहले लोगों को एकनाथ शिंदे का नाम लेते समय 'शिवसेना-शिंदे गुट' कहना पड़ता था, लेकिन अब कोई गुट नहीं बचा है और केवल एक ही शिवसेना है। अमित शाह का यह बयान ऐसे समय आया है जब महाराष्ट्र में राजनीतिक समीकरण लगातार बदल रहे हैं और शिवसेना की विरासत को लेकर सियासी चर्चा जारी है। शाह ने अपने भाषण में महाराष्ट्र सरकार के विकास कार्यों और सांस्कृतिक पुनर्जागरण को भी प्रमुखता से रखा।कोल्हापुर की जनसभा में अमित शाह ने कहा कि एक समय ऐसा था जब एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले दल को 'शिवसेना-शिंदे गुट' के नाम से जाना जाता था। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है और केवल एक शिवसेना ही अस्तित्व में है। उनके इस बयान को महाराष्ट्र की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शाह ने सीधे तौर पर यह संदेश देने की कोशिश की कि शिवसेना को लेकर जो भ्रम या विभाजन की चर्चा थी, वह अब समाप्त हो चुकी है। उनके इस बयान को आगामी राजनीतिक रणनीति और गठबंधन की मजबूती के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है।अमित शाह ने अपने संबोधन में कोल्हापुर स्थित माता अंबाबाई मंदिर के जीर्णोद्धार और कॉरिडोर निर्माण कार्य का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार मंदिर के विकास और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए बड़े स्तर पर काम कर रही है। शाह के अनुसार, अंबाबाई कॉरिडोर परियोजना पर करीब 1500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे लाखों श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी और क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। शाह ने इसे महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम बताया।

विकसित भारत और भाजपा के विस्तार पर क्या कहा?

अपने संबोधन के अंत में अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्रियों में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत का इतिहास जब भी लिखा जाएगा, तब इन वर्षों को विकसित भारत, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा के लिए याद किया जाएगा। शाह ने दावा किया कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का प्रभाव देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि विकास और सांस्कृतिक विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ने का प्रयास जारी रहेगा।

आरएसएस ऑफिस पर बम फेंकने के निर्देश दुबई से मिले

रांची के बाद लखनऊ था अगला टारगेट

रांची (एजेंसी)। झारखंड के रांची में आरएसएस के ऑफिस पर पेट्रोल बम से हमला सोची-समझी साजिश थी। पुलिस के अनुसार, इसके बाद लखनऊ में भी हमले की योजना थी। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी अमन अंसारी ने यह जानकारी दी है। आरोपी के मुताबिक, पेट्रोल बम फेंकने का निर्देश दुबई से मिला था। दुबई में बैठे तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (TTH) का गुर्गा आवेश राजपूत उर्फ राणा और सहजाद उर्फ शाहनवाज आलम उर्फ भट्टी इसका मास्टरमाइंड है।

17 जून को रांची में फ्रर दफ्तर पर हमले के बाद अमन अंसारी उर्फ गोलू और सैफ अंसारी उसी दिन दोपहर ट्रेन से कानपुर के लिए रवाना हो गए थे, लेकिन रांची पुलिस ने दोनों को गझंडी स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अमन अंसारी ने बताया कि सितंबर 2025 में वह नौकरी के लिए मुंबई गया था। वहां जिशान नाम के एजेंट ने उसे दुबई भेजा। वहां उसे मरमुम स्टार टेक्निकल सर्विस छछउ कंपनी में एसी बनाने का काम मिला। वीजा की तारीख समाप्त होने के बाद कंपनी के सुपरवाइजर अहमद अली ने इसी साल उसे वापस मुंबई भेज दिया। इसके बाद वह झारखंड लौट आया। झारखंड आने के बाद अहमद अली ने उसकी फोन पर राणा से बात कराई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि राणा ने उसे फ्रर दफ्तर पर पेट्रोल बम फेंकने के लिए तीन युवकों को तैयार करने के लिए कहा गया था। इसके बदले में अहमद ने अच्छे पैसे देने की बात कही थी।

टीएमसी नेता जहांगीर खान की पत्नी गिरफ्तार

समर्थकों के साथ फालता थाने पर हमले का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) नेता जहांगीर खान की पत्नी सरीना बीबी (37) को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया है। उन पर फालता पुलिस स्टेशन पर भीड़ जुटाकर पुलिस और केंद्रीय बलों पर हमले और जहांगीर खान को पुलिस हिरासत से छुड़ाने की कोशिश का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, 16 जून को सरीना बीबी ने समर्थकों को जुटाकर थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन कराया था। भीड़ ने सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी भी की। मामले में अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जहांगीर खान को पुलिस ने 8 जून को भारत से भागने के दौरान नेपाल बॉर्डर के पास से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कई बार फालता में उसकी परेड कराई। इस दौरान जहांगीर कान पकड़कर और हाथ जोड़कर लोगों से माफी मांगता दिखा। जहांगीर बंगाल विधानसभा चुनाव में फालता सीट से TMC उम्मीदवार था। वोटिंग से ठीक पहले उसने चुनावी मैदान छोड़ दिया था। बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अदिकारी ने 17 जून को फालता थाने पर हमले की घटना पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उन्होंने पुलिस से विरोध-प्रदर्शन और हिंसा के वीडियो फुटेज में दिख रहे सभी लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ मामला दर्ज करने कहा था। जहांगीर खान को ममता बनर्जी के भतीजे और TMC महासचिव अभिषेक बनर्जी का करीबी माना जाता है। उसने डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले फालता इलाके में मजबूत राजनीतिक पकड़ बना ली थी। विधानसभा चुनाव के दौरान क्ढर अधिकारी अजय पाल शर्मा के साथ बहस के बाद वह चर्चा में आया था।

'आम आदमी जरूरत के सामान खरीदने में असमर्थ'

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने शनिवार को बढ़ती मंहगाई के कारण तेजी से घटती बचत को लेकर सरकार पर हमला बोला। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा अन्य पार्टियों से खरीदारी करने में व्यस्त है। वहीं, आम आदमी जरूरत के सामान खरीदने में असमर्थ है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के ह्यअर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन के कारण परिवार तबाह हो रहे हैं। एक्स पोस्ट में खरगे ने कहा, ह्यबढ़ती मंहगाई के कारण बचत तेजी से घट रही है। सामर्थ्य की कमी, आकांक्षाओं का टूटना, असमानता, वैश्विक विश्वसनीयता में गिरावट, युवाओं में भारी आक्रोश। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन के बोझ तले परिवार तबाह हो रहे हैं!' उन्होंने आगे कहा 'खुदरा मंहगाई - 16 महीनों में सबसे अधिक। खाद्य मुद्रास्फीति - 4.78%, थालियों से टमाटर गायब हो रहे हैं। चिकित्सा मुद्रास्फीति 15% से ऊपर। रुपया गड्ढों में गिर रहा है। विदेशी निवेशक हमसे मुंह मोड़ रहे हैं। युवाओं के लिए रोजगार नहीं, बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा, 'भाजपा अन्य पार्टियों से सामान खरीदने में व्यस्त है, लेकिन आम आदमी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ है।'

मुख्यमंत्री ने 4,400 श्रमिकों को वितरित किए 11 करोड़

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के 4400 से अधिक श्रमिक लाभार्थियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से लगभग 11 करोड़ रुपये की धनराशि का अंतरण किया।

मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बोर्ड की विवाह उपरांत सहायता, मृत्यु उपरांत अनुदान, प्रसूति सुविधा तथा शिक्षा सहायता योजनाओं के लाभार्थियों के खाते में वन क्लिक के माध्यम से यह राशि वितरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग को निर्देश दिए कि श्रमिक कल्याण योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा विभिन्न क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों को योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के कार्यस्थलों के निकट ही आवश्यक सामग्री वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे उन्हें सुविधाजनक तरीके से लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण, उनके आश्रित बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन तथा जीवनोपयोगी सामग्री के वितरण हेतु विशेष शिविरों के आयोजन पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी योजनाओं के संचालन में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने और सूचना प्रौद्योगिकी के अधिकाधिक उपयोग के निर्देश दिए। साथ कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि केवल पात्र श्रमिकों को ही योजना का लाभ मिले। इस अवसर पर जानकारी दी गई कि बोर्ड द्वारा पिछले एक वर्ष में 24,323 श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से कुल 93 करोड़ 6 लाख रुपये की अनुदान राशि वितरित की जा चुकी है।

इस अवसर पर कैलाश पंत (राज्य सलाहकार, संविदा बोर्ड), गीता रावत (अध्यक्ष, सतर्कता समिति), मोहिनी पोखरिया (उपाध्यक्ष, राज्य सतर्कता समिति), अपर सचिव विनीत कुमार, उप श्रम आयुक्त विपिन कुमार, सहायक श्रम आयुक्त शैलेश सती, वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञ दुर्गा चमोली उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन श्रम आयुक्त प्रकाश चन्द्र दुम्का द्वारा किया गया।

12 दिन से अटका मानसून 23 जून से आगे बढ़ेगा

एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा के ऊपर चक्रवाती सिस्टम एक्टिव, बिहार-झारखंड में बिजली गिरने से 14 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 दिनों से तेलंगाना में अटका मानसून अब आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, 23 जून तक इसके छत्तीसगढ़ पहुंचने की संभावना है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में मानसून के लिए जरूरी सिस्टम सक्रिय हो गया है। इससे मध्य भारत में चक्रवातीय घेरा बना हुआ है, जिससे मानसून के बादल उत्तर भारत की तरफ आ सकते हैं। मानसून 15 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है, लेकिन 8 जून से तेलंगाना में अटका हुआ है। बिहार में शुक्रवार को बिजली गिरने से 6 लोगों की और झारखंड में 8 लोगों की जान गई। राजस्थान के 12 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 21 से 23 जून के बीच आंधी-तूफान और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, महाराष्ट्र के विदर्भ में 19 से 23 जून तक ऐसा ही मौसम रहने की उम्मीद है। छत्तीसगढ़ में भी 19 से 23 जून के बीच आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने की आशंका है। मौसम का यह बदलाव सिर्फ मध्य भारत तक सीमित नहीं। तमिलनाडु और पुडुचेरी में 19 से 21 जून के बीच कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है, जबकि केरल में भी 19 से 23 जून के बीच भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, बंगाल के कोलकाता, सिलिगुड़ी और दार्जिलिंग जिलों में शनिवार को भी भारी बारिश हुई। दार्जिलिंग में बालासन नदी उफान पर आ गई। इससे नदी पर ह्यूम पाइप से बना पुल टूट कर बह गया। इस बार मध्य प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून 8 से 10 दिन लेट हो सकता है। क्टऊने प्रदेश में 25 जून तक मानसून की एंट्री का अनुमान जताया है। इससे पहले प्री-मानसून की एक्टिविटी जारी रहेगी। शनिवार को भोपाल-इंदौर समेत 38 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट हैराजस्थान में प्री-मानसून बारिश का दौर जारी है। कोटा, उदयपुर और अजमेर समेत 12 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बूंदी, राजसमंद, अजमेर और कोटा समेत कई जिलों में एक इंच तक पानी बरसा। प्री-मानसून बारिश का दौर 23 जून तक रह सकता है। बिहार के कई जिलों में मौसम बदला हुआ है। पटना, भागलपुर में काले बादल छाए हैं। ठंडी हवा भी चल रही है।

रोटरी क्लब ने सड़क किनारे काम करने वाले छोटे व्यापारियों को बांटी शेल्टर

छोटे व्यापारियों बड़े छाते वितरित करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्वर्ण जयंती समारोह के तहत रोटरी क्लब की ओर से शहर में सड़क किनारे छोटे व्यवसाय करने वाले लोगों को धूप से बचाव के लिए शेल्टर (बड़े छाते) वितरित किए गए। इस पहल के दौरान अन्य सामाजिक संस्थाओं से भी इसी तरह के जनहित कार्यों में आगे आने की अपील की गई।

पटेल मार्ग पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब के अध्यक्ष ऋषि ऐरन ने किया। उन्होंने कहा कि समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की सहायता करना क्लब का प्रमुख उद्देश्य है।

उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी में मोची और सब्जी विक्रेता जैसे लोग खुले आसमान के नीचे कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं, जबकि बारिश के समय भी उनके लिए व्यवसाय जारी रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए रोटरी क्लब की ओर से जरूरतमंद लोगों को छोटे एवं बड़े छाते वितरित किए गए, ताकि वे मौसम की कठिनाइयों के बीच भी अपना काम सुचारु रूप से जारी रख सकें। इस अवसर पर विजय माहेश्वरी, डीपी सिंह, अनीत चावला, विजय कुमार, मनीष अग्रवाल, गोपाल बंसल, अशोक अग्रवाल, बीना रावत और राजेश गुप्ता सहित कई लोग उपस्थित रहे।

नैनीताल में वीकेंड पर उमड़े 10 हजार से ज्यादा पर्यटक

नैनीताल। वीकेंड पर सरोवर नगरी में सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नगर के पर्यटन स्थलों की रंगत में निखार तो आया, लेकिन सड़कों में लगे जाम से सैलानी परेशान नजर आए। जाम में कुछ देर के लिए एंबुलेंस भी फंस गई। शनिवार सुबह से सैलानियों का पहुंचना शुरू हो गया था, जो देर रात तक जारी रहा। अधिकांश होटल फुल हो गए, तो होम स्टे और गेस्ट हाउस भी सैलानियों से भर गए। नगर के पार्किंग स्थल पैक होने के बाद सैलानी पार्किंग की तलाश में भटकते नजर आए। नगर के पर्यटन स्थलों में बड़ी संख्या में सैलानी नजर आए। हल्द्वानी, कालाढूंगी मार्ग से दो हजार से अधिक वाहनों ने प्रवेश किया और 10 हजार से अधिक सैलानियों के पहुंचने का अनुमान है। इस बीच नगर की सड़कों में घड़ी घड़ी जाम लगता रहा।

पासपोर्ट सत्यापन में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर उत्तराखण्ड पुलिस को राष्ट्रीय सम्मान

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन ए. पी. अंशुमान को सम्मान देते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखण्ड पुलिस को वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान पासपोर्ट आवेदनों के सत्यापन में उत्कृष्ट एवं प्रभावी कार्य निष्पादन के लिए भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान देशभर में पासपोर्ट आवेदनों के पुलिस सत्यापन संबंधी प्रदर्शन के आधार पर प्रदान किया गया।

नई दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय के जवाहरलाल नेहरू भवन में शुक्रवार को आयोजित समारोह में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर द्वारा उत्तराखण्ड पुलिस की ओर से ए. पी. अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन को यह सम्मान प्रदान किया गया। पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने बताया कि यह सम्मान उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने हेतु किए गए सतत प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस उपलब्धि के लिए उत्तराखण्ड पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह उपलब्धि उसी दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सफलता का प्रतीक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी उत्तराखण्ड पुलिस नागरिक सेवाओं के क्षेत्र में इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ाती रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

चुनावी मोड में कांग्रेस: उत्तराखंड के 10 पर्वतीय जिलों को 4 जोन में बांटा

देहरादून। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने के लिए कांग्रेस ने अपनी नई राजनीतिक रणनीति के तहत संगठन को मजबूत करना शुरू कर दिया है। इसके लिए प्रदेश के 10 पर्वतीय जनपदों को चार अलग–अलग जोन में विभाजित किया गया है, जिनकी कमान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को सौंपी गई है। कांग्रेस का यह विशेष जनसंपर्क एवं जनजागरण अभियान 28 जून से शुरू होकर 12 जुलाई तक चलेगा।

किस नेता को मिला कौन सा जोन?

पार्टी आलाकमान ने पर्वतीय जिलों में ताकत झोंकने के लिए वरिष्ठ नेताओं को इस प्रकार जिम्मेदारी बांटी है।

जोन 1 (पिथौरागढ़, चंपावत और बागेश्वर): इस क्षेत्र की कमान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल खुद संभालेंगे।

जोन 2 (रुद्रप्रयाग, चमोली और पौड़ी): चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत इस जोन में अभियान का नेतृत्व करेंगे।

जोन 3 (उत्तरकाशी और टिहरी): चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष एवं चकराता विधायक प्रीतम सिंह को इसकी जिम्मेदारी दी गई है।

जोन 4 (नैनीताल और अल्मोड़ा): इस क्षेत्र में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा पार्टी के अभियान को आगे बढ़ाएंगे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले पौड़ी में रन फॉर योगा का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में स्वास्थ्य और चेतना को बढ़ावा देने के लिए ह्यरन फॉर योगह्न कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना और लोगों को एक निरोगी जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक करना है।

मेरा युवा भारत, पौड़ी गढ़वाल (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा जिला आयुर्वेदिक विभाग पौड़ी के साथ मिलकर शनिवार को रन फॉर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः सात बजे एजेंसी चौक से हुई, एजेंसी चौक से होते हुए रैली नगर पालिका से होकर पुनः एजेंसी चौक पर समाप्त हुई। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं युवाओं द्वारा नारो एवं स्लोगन के साथ आम जनता को योग के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही योग अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्लोगन एवं नारों के माध्यम से लोगों को योग करने के लाभ बताए गये। इस मौके पर जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी पौड़ी, स्वयंसेवी प्रियंका असवाल, साक्षी, गौरव, अखिलेश्वर जोशी, नितिन चौहान आदि मौजूद थे।

क्षेत्र के बेहतर विकास को हो रहा हर संभव प्रयास

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बरसात के दौरान बाढ़ और भू-कटाव से बचाव के लिए नदियों के किनारे सुरक्षा दीवारों का निर्माण कराया जा रहा है और अधिकारियों को समय-समय पर मौके पर जाकर स्थिति का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। शनिवार को उन्होंने वार्ड नंबर 1 ग्रास्टनगंज, वार्ड नंबर 2 कुंभीचौड़ और वार्ड नंबर 3 लालपानी में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इन कार्यों पर क्रमशः 18.50 लाख और 3.75 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले इन क्षेत्रों में चार नई पुलियों का निर्माण किया गया है और लगभग 50 करोड़ रूपयें की लागत से नदी किनारे सुरक्षा दीवार भी बनाई गई है, जिससे बरसात में होने वाले भू-कटाव को रोका जा सके। इसके अलावा विद्यालयों में फर्नीचर की व्यवस्था, सड़कों और नहरों की मरम्मत जैसे कार्य भी कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के हर गांव और वार्ड का समान रूप से विकास करना है। इस मौके पर भाजपा के कई स्थानीय पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

नीट परीक्षा की तैयारियों में जुटा हल्द्वानी प्रशासन

हल्द्वानी। शहर में आयोजित होने वाली नीट परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को एडीएम और एसपी सिटी मनोज कत्याल ने खालसा नेशनल बालिका इंटर कालेज और एमबीपीजी कालेज समेत विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा, निगरानी और प्रवेश व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

हर गतिविधि पर नजर रखी जाए

निरीक्षण के दौरान केंद्रों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की स्थिति और उनकी मानिटरिंग व्यवस्था को परखा गया।

योग भारत की सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' की शुभकामनाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारत की सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। योग ने सम्पूर्ण विश्व को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। आज विश्व के अधिकतम देशों में करोड़ों लोग, योग को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बना रहे हैं। योग अब सीमाओं से परे सशक्त समाज का आधार एवं मानवता के कल्याण का वैश्विक माध्यम बन चुका है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि योग के द्वारा आज दुनिया में हमारी विशिष्ट पहचान बनी है। योग के लिये दुनिया भारत की ओर देख रही है। योग ने देश व दुनिया को स्वस्थता का भी संदेश दिया है। महान ऋषि पतंजलि ने योग के माध्यम से लोगों को जीने की राह दिखाई है। योग का अभ्यास शरीर, श्वास और मन को जोड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि तन, मन और आत्मा का समन्वय है। कहा कि नियमित योग अभ्यास तनाव कम करने, जीवन को संतुलित बनाए रखने तथा असंभव लक्ष्य को पाने में विशेष भूमिका निभाता है। योग भारत की प्राचीनतम और समृद्ध परम्परा की एक पहचान है। पूरी मनुष्यता को हमारे ऋषि-मुनियों की यह महत्वपूर्ण देन है। योग साधना के द्वारा हम शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड सदियों से योग, आध्यात्मिक साधना और ऋषि-मुनियों की तपस्थली रही है। यहां की समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा और प्राकृतिक वातावरण मानवता को स्वास्थ्य, संतुलन और सकारात्मक जीवन का संदेश देते हैं। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से प्रतिदिन योग को अपनाने, स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने, नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने तथा योग के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के युवा योग को जनआंदोलन का स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे तथा स्वस्थ, समृद्ध और सशक्त उत्तराखंड के निर्माण में सहभागी बनेंगे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी

E Mail ID :- eepwdcdpauri@gmail.com, eepwdcdpauri@rediffmail.com, Fax & Phone No. (01368-222284)

पत्रांक 1077/20ए0सी0 — दिनांक 19/06/2026

ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्न कार्य की ई-निविदा (सिंगल बिड) आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित सभी सूचनायें http://www.uktender.gov.in पर दिनांक 27.06.2026 से उपलब्ध होगी।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0में)	निविदा का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैद्यता (दिन)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह)	ठेकेदार की श्रेणी।
1	2	3	4	5	6	7
1	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र पौड़ी के विकासखण्ड कोट में सापला बैण्ड से पाली मोटर मार्ग का ग्राम मंजाकोट तक विस्तार, मोटर मार्ग का सुधारीकरण एवं डामरीकरण का कार्य (लम्बाई 0.500 कि0मी0)	65000.00	2500.00+ 18% GST	45	06	लोक निर्माण विभाग मार्ग कार्य हेतु श्रेणी-''डी'' एवं उच्चतर
2	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र पौड़ी के विकासखण्ड कोट में पंचूर से कमरगढ़-देहलचौरी मोटर मार्ग का सुधारीकरण एवं पुनः निर्माण का कार्य (लम्बाई 0.500 कि0मी0)	65000.00	2500.00+ 18% GST	45	06	-तदैव-
3	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसमा क्षेत्र पौड़ी के विकासखण्ड कोट में कुलासू सम्पर्क मोटर मार्ग का सुधारीकरण एवं डामरीकरण का कार्य (लम्बाई 0.800 कि0मी0)	102000.00	4000.00+ 18% GST	45	09	-तदैव-
4	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र पौड़ी के विकासखण्ड कोट में देहलचौरी मोटर मार्ग से मंजाकोट मोटर मार्ग का सुधारीकरण एवं डामरीकरण का कार्य (लम्बाई 1.00 कि0मी0)	127000.00	4000.00+ 18% GST	45	09	-तदैव-

शर्तें

1- अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये किसी भी निविदा को निरस्त / स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है।
2- निविदा शुल्क की धनराशि एवं 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 शुल्क अलग-अलग मान्य होगा।
3- निविदादाता को सभी अभिलेख ऑन लाईन अपलोड करने हैं, कार्यालय में कोई भी अभिलेख मूल में जमा नहीं किया जाना है।
4- नॉन शेड्यूल बैंक की एफ0डी0आर0 स्वीकृत नहीं की जायेगी।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी
(0256/57)

किसान देश की समृद्धि और खाद्य सुरक्षा के आधार स्तंभ : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस के अवसर पर हिमालय सांस्कृतिक केंद्र, गढ़ी कैंट देहरादून में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त जारी किए जाने के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार किसानों को केवल योजनाओं तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है। किसान राष्ट्र के गौरव हैं और सरकार उनकी समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल से देशभर के किसानों के लिए डीबीटी के माध्यम से जारी की गई किसान सम्मान निधि की किस्त का वर्चुअल माध्यम से प्रसारण देखा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी होने पर प्रदेश के सभी अन्नदाता भाई-बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह अवसर किसानों के सम्मान, समृद्धि और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से देशभर के करोड़ों किसानों को आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में पारदर्शी तरीके से पहुंचाई जा रही है। उन्होंने बताया कि आज देशभर में लगभग 10 करोड़ किसानों को 18 हजार 880 करोड़ रुपये की धनराशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई है। इसके अंतर्गत उत्तराखंड के भी 8 लाख से अधिक किसानों को 159 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2019 में जब इस योजना की शुरुआत हुई थी, तब उत्तराखंड में लगभग 4 लाख किसान इससे लाभान्वित हो रहे थे, जो आज बढ़कर 8 लाख से अधिक हो चुके हैं।

यह किसानों के डबल इंजन सरकार पर बढ़ते विश्वास का प्रतीक है और दर्शाता है कि योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा सीमाओं पर तैनात जवानों से सुनिश्चित होती है, वहीं देश की खाद्य सुरक्षा खेतों में मेहनत करने वाले किसानों के परिश्रम से मजबूत होती है। किसान केवल फसल नहीं उगाता, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को संवारने का कार्य करता है।

सूचना

सूर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे डी0एल0 संख्या MP-33R-2021-0048649 में मेरा नाम MAHIPAL SINGH S/O R.S. RAWAT अंकित है तथा मेरे आधार नं0 5937 4248 4864 में मेरा नाम MAHIPAL SINGH RAWAT S/O RAJE SINGH RAWAT अंकित है। उपरोक्त दोनों नाम MAHIPAL SINGH S/O R.S. RAWAT एवं MAHIPAL SINGH RAWAT S/O RAJE SINGH RAWAT एक ही व्यक्ति यानी मेरे ही नाम है।

महिपाल सिंह रावत पुत्र श्री राजे सिंह रावत निवासी ग्राम त्रिलोकपुर, पोस्ट कलालघाटी, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0536/21)

उत्तराखण्ड शासन

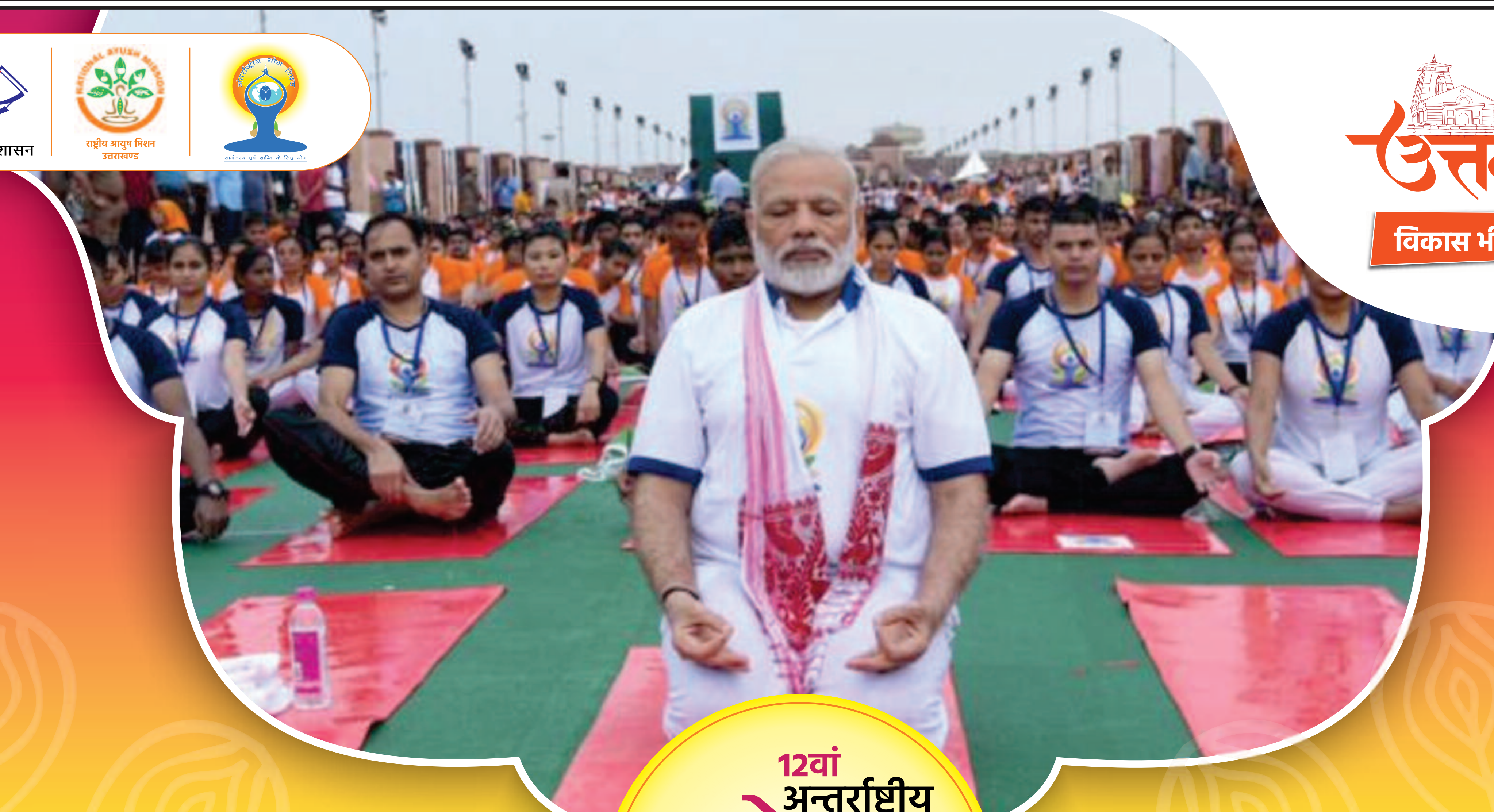

देवभूमि उत्तराखण्ड

विकास भी विरासत भी

12वां अन्तर्राष्ट्रीय

योग दिवस

"हर घर को संदेश यही,
स्वस्थ आयु के लिए योग सही"

21 जून, 2026 (रविवार)

स्वस्थ आयु के लिए योग

विश्व के कल्याण के लिए

देवभूमि में योग का उत्सव

राज्यस्तरीय कार्यक्रम

दिनांकः 21 जून, 2026 | **समयः** प्रातः 07:00 बजे

स्थानः बनबसा, चम्पावत, उत्तराखण्ड

मुख्य अतिथि

पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"योग भारत की प्राचीन और अमूल्य विरासत है। नियमित योग अभ्यास से तन मजबूत, मन शांत और आत्मा निर्मल होती है। योग को केवल एक आसन न समझें, इसे अपनी सोच और व्यवहार का अभिन्न अंग बनाएं। निरोगी शरीर और संतुलित जीवन के लिए योग एक अमिट उपहार है। आइए, 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की इस वैश्विक पहल को आगे बढ़ाएं। योग का वरदान, देश-दुनिया के जन-जन तक पहुंचाएं।"

आप सभी को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

प्रत्येक जनपद में 21 जून को प्रातः 07:00 बजे से योग कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

21 जून को सुबह 7:00 बजे से ऑनलाइन जुड़ें tiny.cc/idy2026 पर

योग संबंधी अधिक जानकारी के लिए **QR कोड स्कैन करें**

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

नीट पेपर लीक

छात्रों का सवाल है कि नीट पेपर लीक, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग में गड़बड़ी, अनगिनत परीक्षाओं के आयोजन में अव्यवस्था आदि के लिए किसी को तो उत्तरदायी होना चाहिए? फिलहाल, उन्होंने शिक्षा मंत्री को जवाबदेह माना है।

कॉकरोच जनता पार्टी के पहले जमीनी विरोध प्रदर्शन में सामान्यतः अपेक्षाकृत संपन्न परिवारों से आए छात्र– नौजवानों का जमावड़ा लगा। उनका, जो शिक्षा के जरिए ऊंचे करियर का सपना देख सकने की स्थिति में होते हैं। शिक्षा की ढहती व्यवस्था उनके सपनों के साकार होने में रुकावट बन गई है, तो ये युवा ये पूछने निकले हैं कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है? इसीलिए नई दिल्ली के जंतर–मंतर पर जो शब्द सबसे ज्यादा सुनाई दिया, वो है– जवाबदेही।छात्रों का सवाल है कि नीट पेपर लीक, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग में गड़बड़ी, अनगिनत प्रवेश परीक्षाओं के आयोजन में अव्यवस्था आदि के लिए किसी को तो उत्तरदायी होना चाहिए? फिलहाल, उन्होंने इनके लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को जवाबदेह माना है, इसलिए उनकी पहली मांग है कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। वैसे, प्रदर्शन स्थल पर सवाल यह भी उठा कि यूनिवर्सिटीज की टॉप वर्ल्ड रैंकिंग में पहले 100 स्थान में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय क्यों नहीं है? ये बुनियादी प्रश्न हैं। सत्ताधारी इनकी ज्यादा देर तक अनदेखी नहीं कर सकते। भाजपा नेतृत्व को समझना चाहिए कि कॉकरोच लामबंदी में बड़ी संख्या में वो नौजवान शामिल हुए हैं, जिनकी उम्र 15–25 वर्ष के बीच है। उन्होंने अपने होश में सिर्फ मोदी राज देखा है।

इसलिए उनके बीच पिछली सरकारों की नाकामियों का शोर मचाने की रणनीति निष्प्रभावी होने लगी है। ये पीढ़ी हिंदू–मुसलमान, देशद्रोही– पाकिस्तान आदि के नैरेटिव्स को सुनते हुए बड़ी हुई है। उससे उसको तब तक शिकायत नहीं थी, जब तक उन्हें अपना करियर सुरक्षित दिखता था। आम तुजुर्बा है कि जब अपना भविष्य दांव पर लगा दिखे, तो ऐसी कहानियां बेअसर होने लगती हैं। जंतर–मंतर एक ऐसी पीढ़ी के उभर चुकने का गवाह बना। सत्ता पक्ष को इस जमीनी बदलाव को गंभीरता से लेना चाहिए। जवाबदेही की उठी मांग पर उसे सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए। युवा भावनाओं को दबाने या भटकाने की कोशिश के उलटे परिणाम हो सकते हैं। याद रखना चाहिए कि दुनिया ज़ेन–जी परिघटना से गुजर रही है। अतः भारत में इस पीढ़ी की आंकाक्षाएं संवैधानिक दायरे में पूरी हो जाएं, इसे वर्तमान सरकार को अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए।

चिंतन-मनन

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव ।
येन भूतान्यशेषाणि द्रक्ष्यस्यात्मन्यथो मयि।।

अथार्तः हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नजरिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

राम-राम जपना,चढ़ावे का मालअपना ?

विनोद कुमार सिंह

भारत की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं,भाषाई विविधता या सांस्कृतिक विरासत से नहीं होती,बल्कि उसकी गहरी धार्मिक चेतना और आस्था से भी होती है।यहाँ मंदिर केवल पूजा- अर्चना के स्थल नहीं हैं,बल्कि समाज की भावनाओं,विश्वासों और सांस्कृतिक निरंतरता के केंद्र भी हैं। करोड़ों लोग अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए मंदिरों में दान,दक्षिणा,चढ़ावा और सेवा अर्पित करते हैं।यह दान केवल आर्थिक लेन-देन नहीं होता,बल्कि भक्त और भगवान के बीच विश्वास का एक आध्यात्मिक सेतु होता है। यही कारण है कि जब किसी धार्मिक संस्था,ट्रस्ट या मंदिर के प्रबंधन को लेकर प्रश्न उठते हैं,तब मामला केवल प्रशासनिक या आर्थिक नहीं रह जाता,बल्कि सीधे- सीधे आस्था,विश्वास और जवाबदेही से जुड़ जाता है।

ऐसे समय में लोकजीवन में प्रचलित एक पुरानी कहावत अचानक चर्चा के केंद्र में आ जाती है- 'राम-राम जपना,चढ़ावे का माल अपना।' यह कहावत किसी धर्म, देवता या आस्था का उपहास नहीं करती,बल्कि उन प्रवृत्तियों पर व्यंग्य करती है जो धर्म और नैतिकता की बात तो करती हैं, किंतु व्यवहार में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से दूर दिखाई देती हैं। आज जब अयोध्या का राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुका है,तब यह कहावत कुछ असहज किंतु आवश्यक प्रश्न भी खड़े करती है।अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक परियोजना नहीं था।यह स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े जन आंदोलनों में से एक था।दशकों तक चले संघर्ष,सामाजिक विमर्श, राजनीतिक बहसों और न्यायिक प्रक्रिया के बाद जब मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ, तब देश के कोने-कोने से लोगों ने इसे अपनी व्यक्तिगत आस्था का विषय मानकर सहयोग दिया। गाँवों से लेकर महानगरों तक,भारत से लेकर विदेशों तक,करोड़ों लोगों ने आर्थिक और भावनात्मक रूप से इस अभियान में भागीदारी की।

किसी ने एक रुपया दिया,किसी ने लाखों रुपये का दान किया।अनेक श्रद्धालुओं ने सोना,चाँदी,हीरे,मोती और बहुमूल्य रत्न अर्पित किए। कई परिवारों ने पीढ़ियों से संभालकर रखे गए आभूषण रामलला को समर्पित कर दिए। महिलाओं ने अपने विवाह के गहने तक दान कर दिए।बुजुर्गों ने अपनी जीवनभर की बचत का हिस्सा भगवान के चरणों में अर्पित किया। यह केवल आर्थिक योगदान नहीं था,बल्कि श्रद्धा,समर्पण और विश्वास की अभिव्यक्ति थी।

राम मंदिर आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यही रही कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी दिखाई दी। गरीब,मध्यमवर्गीय और संपन्न - सभी ने अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दिया।यही कारण है कि मंदिर से जुड़ा प्रत्येक संसाधन केवल संपत्ति नहीं,बल्कि करोड़ों लोगों के विश्वास का प्रतीक माना जाता है।लोगों ने यह मानकर दान दिया कि उनका योगदान भगवान राम के भव्य मंदिर और उससे जुड़े धार्मिक-सांस्कृतिक उद्देश्यों की पूर्ति में लगेगा।भारतीय संस्कृति में दान और चढ़ावे की परंपरा अत्यंत प्राचीन है।मंदिरों को सदियों से समाज ने केवल पूजा स्थलों के रूप में नहीं,बल्कि लोककल्याण के केंद्र के रूप में भी देखा है।इतिहास गवाह है कि अनेक मंदिरों ने शिक्षा,चिकित्सा,सामाजिक सहायता और सांस्कृतिक संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रद्धालु जब मंदिर में चढ़ावा चढ़ाते हैं,तब वे केवल धन नहीं देते, बल्कि संस्था के प्रति अपना विश्वास भी सौंपते हैं।यही विश्वास किसी भी धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी पूँजी होता है।यही कारण है कि जब चढ़ावे में प्राप्त बहुमूल्य वस्तुओं, आभूषणों और रत्नों के संबंध में किसी प्रकार की अनियमितता,चोरी अथवा अभिलेखीय विसंगतियों की चर्चा सामने आती है,तो समाज में स्वाभाविक रूप से चिंता उत्पन्न होती है।पिछले कुछ समय से विभिन्न माध्यमों में ऐसी खबरें और आरोप चर्चा का विषय बने कि श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई कुछ बहुमूल्य वस्तुओं के संबंध में प्रश्न उठे हैं।कुछ शिकायतों में यह आशंका व्यक्त की गई कि चढ़ावे में प्राप्त मूल्यवान वस्तुओं के रिकॉर्ड और वास्तविक स्थिति को लेकर पारदर्शिता अपेक्षित स्तर की नहीं है।इन चचाओं ने मामले को सार्वजनिक विमर्श का विषय बना दिया और जाँच एजेंसियों की संभावित भूमिका को लेकर भी प्रश्न उठने लगे।यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि किसी भी आरोप को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप,जाँच और न्यायिक निष्कर्ष तीन अलग-अलग चरण होते हैं।केवल आरोपों के आधार पर किसी संस्था या व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। साथ ही जब मामला करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा हो,तब उठ रहे प्रश्नों को केवल अफवाह कहकर खारिज कर देना भी उचित नहीं माना जा सकता।जनविश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों अनिवार्य हैं।राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं,बल्कि राष्ट्रीय भावना, सांस्कृतिक चेतना और सभ्यतागत स्मृति का प्रतीक है।इसीलिए उससे जुड़े प्रत्येक निर्णय,प्रत्येक व्यवस्था और प्रत्येक संसाधन पर समाज की निगाह रहती है। श्रद्धालु यह जानना चाहते हैं कि उनके द्वारा समर्पित धन और बहुमूल्य वस्तुओं का संरक्षण किस प्रकार किया जा रहा है,उनका लेखा-जोखा कैसे रखा जा रहा है,क्या स्वतंत्र ऑडिट की व्यवस्था है,क्या समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी की जाती है तथा क्या चढ़ावे का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित और सत्यापित रूप में उपलब्ध है।ये प्रश्न किसी धर्म, व्यक्ति या संस्था विशेष के विरोध में नहीं हैं।वास्तव में ये प्रश्न उन करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा से जुड़े हैं जिन्होंने राम मंदिर निर्माण को अपना व्यक्तिगत और सांस्कृतिक दायित्व मानकर सहयोग दिया था।लोकतांत्रिक समाज में पारदर्शिता को अविश्वास का प्रतीक नहीं,बल्कि विश्वास को और अधिक मजबूत करने का माध्यम माना जाता है।यहीं पर राम मंदिर निर्माण और उसके संचालन से जुड़ी प्रबंधन व्यवस्था तथा प्रबंधन समिति की भूमिका चर्चा के केंद्र में आ जाती है।किसी भी बड़े धार्मिक संस्थान की विश्वसनीयता केवल उसकी भव्यता से निर्धारित नहीं होती।उसके प्रशासनिक मानक,वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।यदि प्रबंधन व्यवस्था पारदर्शी,व्यवस्थित और उत्तरदायी दिखाई देती है, तो श्रद्धालुओं का विश्वास स्वतः बढ़ता है।यदि कहीं अस्पष्टता या सूचना का अभाव दिखाई देता है,तो प्रश्न उठना स्वाभाविक हो जाता है।

जब किसी संस्था को जनता का व्यापक समर्थन और संसाधन प्राप्त होते हैं,तब उसके साथ जवाबदेही भी जुड़ जाती है।श्रद्धालु यह अपेक्षा करते हैं कि मंदिर से जुड़े सभी आर्थिक और प्रशासनिक कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ संचालित हों।यदि कहीं कोई शिकायत या संदेह उत्पन्न होता है, तो उसका समाधान तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर किया जाए। यही किसी भी प्रतिष्ठित संस्था की साख को मजबूत करने का सबसे प्रभावी तरीका है।भारत का संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था यह स्पष्ट करती है कि कोई भी संस्था कानून से ऊपर नहीं है।चाहे वह धार्मिक संस्था हो,सामाजिक संगठन हो,राजनीतिक दल हो अथवा कोई बड़ी कॉरपोरेट इकाई -सभी के लिए कानून समान है। इसलिए यदि किसी प्रकार की शिकायत सामने आती है,तो जाँच एजेंसियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।हालाँकि जाँच एजेंसियों की भूमिका को लेकर भी संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है।किसी संस्था के विरुद्ध जाँच होना अपराध सिद्ध होने का प्रमाण नहीं होता।जाँच का उद्देश्य दोषी ठहराना नहीं,बल्कि सत्य तक पहुँचना होता है।यदि सब कुछ व्यवस्थित और पारदर्शी है, तो जाँच संस्था की विश्वसनीयता को और मजबूत कर सकती है।यदि कहीं कोई त्रुटि या अनियमितता है, तो उसका सामने आना भी आवश्यक है।यही कानून के शासन का मूल आधार है।दुर्भाग्य से समाज में अक्सर दो चरम स्थितियाँ देखने को मिलती हैं।एक वर्ग बिना किसी निष्कर्ष के ही आरोपों को सत्य मान लेता है।दूसरा वर्ग केवल भावनाओं के आधार पर हर प्रश्न को साजिश घोषित कर देता है।दोनों ही दृष्टिकोण स्वस्थ लोकतांत्रिक विमर्श के लिए उचित नहीं हैं।सत्य तक पहुँचने का मार्ग तथ्यों,प्रमाणों और निष्पक्ष जाँच से होकर गुजरता है।

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति में मर्यादा,न्याय और सत्य के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं।रामराज्य की अवधारणा केवल धार्मिक भावना नहीं,बल्कि सुशासन का आदर्श भी है।रामराज्य का अर्थ ऐसी व्यवस्था से है जहाँ शासन पारदर्शी हो,न्याय निष्पक्ष हो और जनता का विश्वास सर्वोपरि हो। वहाँ राजा स्वयं भी नैतिक जवाबदेही से मुक्त नहीं था। यही कारण है कि भगवान राम आज भी केवल धार्मिक श्रद्धा के विषय नहीं,बल्कि आदर्श शासन और नैतिक नेतृत्व के प्रतीक माने जाते हैं।यदि राम के नाम पर निर्मित किसी संस्था या व्यवस्था में पारदर्शिता की माँग उठती है,तो उसे विरोध के रूप में नहीं,बल्कि रामराज्य के आदर्शों के अनुरूप सुधार की प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।आखिर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन स्वयं सत्य,मर्यादा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है।इतिहास गवाह है कि धर्म का उद्देश्य सदैव समाज को नैतिक दिशा देना रहा है।मंदिरों और धार्मिक संस्थाओं ने शिक्षा, सेवा, समाज-सुधार तथा जनकल्याण के अनेक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारतीय समाज में धार्मिक संस्थाओं के प्रति सम्मान का एक बड़ा कारण उनकी सेवा-परंपरा भी रही है।इस कारण जब किसी प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था पर कोई प्रश्न उठता है, तो उसका प्रभाव केवल उस संस्था तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यापक सामाजिक विश्वास को भी प्रभावित करता है।समय-समय पर कुछ लोगों ने धर्म की आड़ में अपने निजी हितों को साधने का प्रयास भी किया है। ऐसे लोगों के कारण न केवल संस्थाओं की छवि प्रभावित होती है,बल्कि वास्तविक धार्मिक मूल्यों को भी क्षति पहुँचती है। यही कारण है कि समाज में यह कहावत जन्मी–'राम-राम जपना, चढ़ावे का माल अपना।' यह कहावत आज भी इसलिए प्रासंगिक है क्योंकि यह मानव स्वभाव की उस कमजोरी की ओर संकेत करती है, जिसमें व्यक्ति धार्मिकता का प्रदर्शन तो करता है, किंतु उसके आचरण में ईमानदारी और जवाबदेही का अभाव होता है। यदि किसी धार्मिक संस्था में चढ़ावे या दान से संबंधित कोई अनियमितता होती है,तो वह केवल आर्थिक अपराध नहीं रह जाता। वह श्रद्धालुओं के विश्वास के साथ भी विश्वासघात बन जाता है।

विश्वास किसी भी धार्मिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूँजी होता है। सोना-चाँदी और बहुमूल्य रत्नों की कीमत बाजार तय करता है,किंतु श्रद्धालुओं की भावनाओं की कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती। इसलिए यदि कभी किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न हो,तो उसका समाधान शीघ्र,निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से होना चाहिए।

आज तकनीक ने पारदर्शिता के अनेक साधन उपलब्ध करा दिए हैं। डिजिटल रिकॉर्ड,ऑनलाइन ऑडिट,वीडियो निगरानी,संपत्ति का सार्वजनिक अभिलेखीकरण, स्वतंत्र लेखा परीक्षण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्टिंग जैसी व्यवस्थाएँ किसी भी धार्मिक संस्था की विश्वसनीयता को मजबूत कर सकती हैं।राम मंदिर जैसे विश्वस्तरीय धार्मिक केंद्र में ऐसी व्यवस्थाएँ केवल प्रशासनिक औपचारिकताएँ नहीं,बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास की सुरक्षा का माध्यम हैं।समय की माँग है कि धार्मिक संस्थाओं में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को बोझ नहीं,बल्कि प्रतिष्ठा का आधार माना जाए। जितनी बड़ी संस्था होगी, उतनी ही बड़ी जवाबदेही भी होगी। यह सिद्धांत लोकतंत्र, प्रशासन और धार्मिक संस्थाओं - सभी पर समान रूप से लागू होता है।

आवश्यकता इस बात की है कि आस्था और जवाबदेही को एक-दूसरे का विरोधी नहीं,बल्कि सहयोगी माना जाए।जहाँ पारदर्शिता होगी, वहाँ संदेह कम होंगे। जहाँ जवाबदेही होगी, वहाँ विश्वास मजबूत होगा।जहाँ विश्वास मजबूत होगा,वहाँ आस्था की गरिमा स्वतः सुरक्षित रहेगी।

अंततः 'राम-राम जपना, चढ़ावे का माल अपना' केवल एक व्यंग्यात्मक कहावत नहीं, बल्कि समाज को सचेत करने वाला दर्पण है। यह हमें याद दिलाती है कि धर्म का वास्तविक आधार ईमानदारी, सत्य,सेवा और नैतिकता है।राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है,इसलिए उससे जुड़ी हर व्यवस्था को संदेह से ऊपर, पारदर्शी और उत्तरदायी होना चाहिए।यदि कहीं कोई शिकायत है,तो उसकी निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए।यदि कोई आरोप है,तो उसका तथ्यात्मक परीक्षण होना चाहिए। यदि सब कुछ सही है, तो उसे सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया जाना चाहिए।इससे न केवल विवादों का समाधान होगा,बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी और अधिक मजबूत होगा।

भगवान राम केवल श्रद्धा के नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और मर्यादा के भी प्रतीक हैं।राम के मंदिर की वास्तविक शक्ति उसकी भव्यता, ऊँचे शिखरों या बहुमूल्य चढ़ावों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में है जो करोड़ों लोगों ने उसमें समर्पित किया है।उस विश्वास की रक्षा करना ही आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।यही रामभक्ति की कसौटी है,यही सुशासन की पहचान है और यही वह मार्ग है जिस पर चलकर आस्था,पारदर्शिता और जवाबदेही तीनों साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं।

योग है दुनिया के लिए भारत का शाश्वत अवदान

ललित गर्ग

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को "चित्तवृत्ति निरोध" कहा है। अर्थात मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है।

आज जब पूरी दुनिया युद्धों, आतंकवाद, हिंसा, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और नई-नई बीमारियों की चुनौतियों से घिरी हुई है, तब मानवता एक ऐसे मार्ग की तलाश में है जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी संतुलित कर सके। ऐसे संक्रमणकाल में योग केवल एक व्यायाम पद्धति या स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए आशा का प्रकाश-स्तंभ बनकर उभरा है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज केवल भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का उत्सव बन गया है। भारत अनादिकाल से योग की भूमि रहा है। इस भूमि के कण-कण में ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों और योगियों की साधना की सुगंध समाई हुई है। वैदिक ऋषियों से लेकर भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ तक, सभी ने योग को जीवन के उत्कर्ष और मानव कल्याण का आधार माना। योग ने भारत की आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं गढ़ा, बल्कि विश्व को यह संदेश भी दिया कि मनुष्य का वास्तविक विकास भीतर से प्रारंभ होता है।

आज विश्व जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह चिंता का विषय है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, आतंकवाद की घटनाएं, साम्प्रदायिक तनाव और हथियारों की बढ़ती होड़ मानव सभ्यता को भय और असुरक्षा की ओर धकेल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, लेकिन इनके साथ विनाश की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में योग की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। योग मनुष्य को भीतर से शांत, संतुलित और संवेदनशील बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी समाज और राष्ट्र में शांति का वातावरण निर्मित होगा। योग का मूल अर्थ ही है-जोड़ना। यह मनुष्य को मनुष्य से, आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से और मानवता को सम्पूर्ण सृष्टि से जोड़ता है। योग विभाजन नहीं, एकता का दर्शन है। इसलिए वह हिंसा, घृणा, आतंक और संघर्ष का स्वाभाविक प्रतिरोधक है। जो व्यक्ति योग के माध्यम से अपने भीतर करुणा, प्रेम और अहिंसा का विकास करता है, वह किसी के प्रति द्वेष नहीं रख सकता। यही कारण है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और भगवान महावीर का जीव-दया का संदेश भी योग की व्यापक चेतना से जुड़ा हुआ दिखाई देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज मानसिक तनाव, अवसाद, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन भीतर से खाली और अशांत होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में योग एक समग्र चिकित्सा-पद्धति के रूप में सामने आया है। योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करता है। नियमित आसन, प्राणायाम और ध्यान व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं, तनाव को कम करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दुनिया ने अनुभव किया कि स्वस्थ जीवनशैली और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है। उस समय योग, प्राणायाम और ध्यान ने करोड़ों लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं कि योग अनेक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सहायक माध्यम है। यह दवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है।

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को 'चित्तवृत्ति निरोध' कहा है। अर्थात मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज की पीढ़ी, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यसनों के बीच जी रही है, उसके लिए योग मानसिक संतुलन का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। योग का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका नैतिक और मानवीय आयाम भी है। यम और नियम जैसे सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और संतोष की शिक्षा देते हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अपनाया जाए, तो हिंसा, भ्रष्टाचार, अपराध और सामाजिक विद्वेष जैसी समस्याओं में स्वाभाविक कमी आ सकती है। इसलिए योग केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक पुनर्निर्माण का भी अभियान है। भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता में योग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक शक्ति और विश्वसनीयता का बड़ा प्रमाण है। आज दुनिया के लगभग सभी देशों में योग का अभ्यास किया जा रहा है। यह केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने योग के साथ-साथ भारतीय अहिंसा, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, मिलेट्स आधारित भारतीय खानपान और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा को भी विश्व मंच पर स्थापित करने का प्रयास किया है। यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति बनने का सपना नहीं देखता, बल्कि मानवता को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाने की क्षमता भी रखता है। यही 'विश्वगुरु भारत' की अवधारणा का मूल है।

भारतीय आयुर्वेद और योग का संबंध भी अत्यंत गहरा है। आयुर्वेद शरीर की चिकित्सा करता है, जबकि योग मन और चेतना को संतुलित करता है। दोनों मिलकर स्वस्थ जीवन की संपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करते हैं। आज जब दुनिया रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभावों और जीवनशैली जनित रोगों से चिंतित है, तब योग और आयुर्वेद एक वैकल्पिक नहीं, बल्कि पूरक एवं स्थायी समाधान के रूप में उभर रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि योग ने हर युग में एक मौन क्रांति को जन्म दिया है। इसने राजाओं को ऋषि बनाया, योद्धाओं को संत बनाया और सामान्य मनुष्यों को असाधारण व्यक्तित्व प्रदान किए। स्वामी विवेकानन्द ने योग के माध्यम से भारतीय अध्यात्म को विश्व के सामने रखा। महात्मा गांधी ने कर्मयोग और अहिंसा के बल पर एक साम्राज्य को चुनौती दी। श्री अरविन्द ने योग को मानव चेतना के विकास का साधन बनाया। यह सब योग की परिवर्तनकारी शक्ति के उदाहरण हैं। इसलिये योग दिवस उत्सव का नहीं, संकल्प का अवसर बने। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, कार्यालयों, उद्योगों और सामाजिक संस्थाओं में योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने की पहल हो। परिवारों में योग, ध्यान और सकारात्मक संवाद की संस्कृति विकसित हो। यदि व्यक्ति स्वस्थ होगा तो परिवार स्वस्थ होगा, परिवार स्वस्थ होगा तो समाज स्वस्थ होगा और समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र एवं विश्व भी स्वस्थ और शांतिपूर्ण बन सकेगा।

योग और ध्यान की भारतीय परम्परा को आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नई दिशा देने वाले महान दार्शनिक, चिंतक एवं आध्यात्मिक धर्मगुरु आचार्य महाप्रज्ञ का योगदान भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'प्रेक्षाध्यान' पद्धति के माध्यम से ध्यान की पारंपरिक अवधारणाओं को एक नया वैज्ञानिक एवं प्रयोगधर्मी स्वरूप प्रदान किया। सदियों से ध्यान मुख्यतः आध्यात्मिक साधना और मोक्ष के मार्ग के रूप में देखा जाता रहा था, किन्तु आचार्य महाप्रज्ञ ने उसे जीवन-विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और व्यक्तित्व विकास से जोड़कर एक नई क्रांति का सूत्रपात किया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपने शरीर, श्वास, चित्त, भावों और चेतना को 'प्रेक्षा' अर्थात गहराई से देखना सीख जाए, तो उसके भीतर छिपी अनेक मानसिक विकृतियां स्वतः समाप्त होने लगती हैं। प्रेक्षाध्यान ने ध्यान को केवल साधु-संतों की साधना न रहने देकर सामान्य जनजीवन का हिस्सा बनाया।

वर्तमान समय में मानवता जिस दोराहे पर खड़ी है, वहां योग केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। यह शरीर को निरोग, मन को शांत, बुद्धि को निर्मल और आत्मा को जागृत करता है। यह युद्ध के स्थान पर शांति, हिंसा के स्थान पर करुणा और तनाव के स्थान पर संतुलन का मार्ग दिखाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि मनुष्य बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर की दुनिया को बदले। भारत ने योग के माध्यम से विश्व को एक अमूल्य उपहार दिया है। यदि मानवता इस उपहार का सही अर्थों में उपयोग करे, तो एक नई वैश्विक चेतना का उदय संभव है-ऐसी चेतना, जिसमें शांति हो, स्वास्थ्य हो, सह-अस्तित्व हो और समस्त मानवता के कल्याण का भाव हो। यही योग का स्वप्न है, यही भारत का संदेश है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

संक्षिप्त समाचार

विटकॉफ का दावा- ईरान देगा परमाणु ठिकानों की जांच की इजाजत, मोजतबा की पहली प्रतिक्रिया सामने आई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ सीधी वार्ता का समर्थन किया है। सरकारी मीडिया में पढ़े गए बयान में उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाली आमने-सामने की बातचीत का मतलब यह नहीं होगा कि ईरान विरोधी पक्ष की बात मान लेगा। यह बयान अमेरिका-ईरान के बीच हाल ही में हुए उस समझौते पर उनकी पहली प्रतिक्रिया है, जिसमें दोनों देशों ने तनाव कम करने की दिशा में कदम उठाए हैं। खामेनेई लंबे समय से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। माना जा रहा है कि युद्ध की शुरुआत में हुए हमले में वे घायल हुए थे। वहीं, अमेरिकी सेना ने ईरानी नौवहन पर लगी नाकाबंदी हटाने की घोषणा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने अमेरिका के सांसदों को एक बंद कमरे में में बताया कि ईरान संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था को अपने परमाणु ठिकानों का निरीक्षण करने के लिए आमंत्रित करेगा। इस जानकारी के अनुसार, ईरान यह भी अनुमति देगा कि उसकी संवर्धित परमाणु सामग्री कहां-कहां है, इसका पता लगाया जाए और उसकी पहचान की जाए। यह बैठक कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के सदस्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी समितियों के सदस्यों के साथ हुई। बैठक में बताया गया कि अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते में कोई अतिरिक्त गोपनीय समझौता शामिल नहीं था। लेकिन ईरान और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बीच एक अलग पत्र तैयार किया गया था। इस पत्र के तहत ईरान ने आईएईए को अपने परमाणु स्थलों के निरीक्षण का आमंत्रण दिया है। इस बात का खुलासा भी विटकॉफ ने बैठक में किया। विटकॉफ ने यह भी बताया कि यह पत्र आईएईए प्रमुख राफेल मारियानो ग्रोसी को भेजा जाएगा, जिससे अमेरिकी परमाणु निरीक्षकों को भी तेहरान में जांच करने की अनुमति मिल सकेगी।

वीवाटेक समिट में भारत पर रहा फोकस': विक्रम मिसरी बोले- 15 जुलाई से शुरू होगा भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता

फ्रांस, एजेंसी। पेरिस में आयोजित यूरोप के सबसे बड़े स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी महाकुंभ 'वीवाटेक' में इस बार भारत का जबरदस्त जलवा देखने को मिला। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने गुरुवार को एक विशेष प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि इस प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिस्सा लिया। इस समिट में भारत 'एआई कंट्री ऑफ फोकस' और 'एआई पार्टनर कंट्री' के रूप में शामिल हुआ। भारत ने इस मंच का उपयोग देश की तकनीकी प्रगति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को दुनिया के सामने रखने के लिए किया। इस समिट में वैश्विक तकनीकी लीडर्स, स्टार्टअप्स और निवेशक एक साथ जुटे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रधानमंत्री के फ्रांस दौरे पर जानकारी देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने तकनीक के क्षेत्र में भारत में हो रहे नए आविष्कारों को सामने रखा। विदेश सचिव के अनुसार, पीएम मोदी ने एआई को लेकर भारत के दृष्टिकोण को दुनिया के सामने रखा। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक क्रांतिकारी तकनीक है और इसका मुख्य उद्देश्य हमेशा मानवता की सेवा करना होना चाहिए। मानव को तकनीक का गुलाम नहीं बनना चाहिए। पीएम मोदी ने टेक कंपनियों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार नियमों को आसान बना रही है और व्यापार को बढ़ावा दे रही है।

प्रिय मित्र नरेंद्र, फ्रांस आपसे प्यार करता है': मैक्रों ने हिंदी बोलकर बढ़ाई देश की शान, 2027 में आएंगे भारत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने राजनयिक प्रोटोकॉल तोड़कर एक अनोखा काम किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए हिंदी में विदाई संदेश जारी किया है। पीएम मोदी की फ्रांस यात्रा खत्म होने पर यह वीडियो संदेश आया। मैक्रों ने हिंदी बोलकर दोनों नेताओं की गहरी दोस्ती को दुनिया के सामने दिखाया है। इसके साथ ही दोनों देशों के मजबूत रिश्तों को एक नया रूप मिला है। एलिसी पैलेस ने इस खास वीडियो को रिकॉर्ड किया है। वीडियो में राष्ट्रपति मैक्रों बेहद अपनेपन से हिंदी बोलते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'प्रिय मित्र नरेंद्र, मुझे बहुत खुशी हुई आपका नीस, एवियन और पेरिस में स्वागत करके। फ्रांस और भारत की दोस्ती अमर रहे।' यह लाइन बोलने के तुरंत बाद मैक्रों मुस्कुरा दिए। फिर उन्होंने अंग्रेजी में कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह सही था।' इसके बाद उन्होंने दिल की बात की। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस आपसे प्यार करता है...आप मेरे सच्चे दोस्त हैं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने फ्रांस गए थे। इस दौरान नीस शहर के 'विला केरीलोस' में दोनों नेताओं के बीच बड़ी बैठक हुई। बैठक का मुख्य मकसद दोनों देशों के बीच विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना था। इस मुलाकात में रक्षा क्षेत्र में मिलकर हथियार बनाने पर सहमति बनी।

यूएन से आई चौंकाने वाली रिपोर्ट: युद्धों में बच्चों पर टूटा कहर, पहली बार सरकारी सेनाएं बनीं सबसे बड़ी दोषी

न्यूयार्क, एजेंसी। संघर्ष और युद्ध क्षेत्रों में बच्चों की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल दुनिया भर में करीब 25,000 बच्चे हत्या, यौन हिंसा, अपहरण और जबरन लड़ाई में भर्ती किए जाने जैसे गंभीर अपराधों का शिकार हुए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 30 वर्षों में पहली बार सरकारी सेनाएं बच्चों के खिलाफ सबसे ज्यादा गंभीर उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार पाई गई हैं।

लगातार चौथे साल बढ़े बच्चों के खिलाफ अपराध : UN की रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों के खिलाफ दर्ज गंभीर उल्लंघनों की संख्या लगातार चौथे वर्ष बढ़ी है। वर्ष 2025 में ऐसे 38,558 मामले सत्यापित किए गए, जिनमें बच्चों की हत्या, अपहरण, स्कूलों और अस्पतालों पर हमले तथा मानवीय सहायता रोकने जैसी घटनाएं शामिल हैं।

24 हजार से ज्यादा बच्चे हुए प्रभावित : रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल 24,174 बच्चे इन घटनाओं से प्रभावित हुए। इनमें लगभग एक-तिहाई लड़कियां थीं। कई बच्चों को एक साथ कई तरह की हिंसा और अत्याचारों का सामना करना पड़ा।

30 साल में पहली बार बदली तस्वीर : संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों पर होने वाले अत्याचारों की निगरानी शुरू होने के तीन दशक बाद पहली बार सरकारी बल अधिकांश गंभीर उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार पाए गए हैं। पहले आमतौर पर सशस्त्र विद्रोही और आतंकी समूह ऐसे मामलों में प्रमुख दोषी माने जाते थे।

इस्राइली सेना सबसे ऊपर, कांगो दूसरे नंबर पर : रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 के दौरान सबसे ज्यादा 12,445 उल्लंघन इस्राइली सेना और उससे जुड़ी सुरक्षा एजेंसियों के खाते में दर्ज किए गए। इसके बाद डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो में 4,114 मामले सामने आए। म्यांमार, सोमालिया और नाइजीरिया के विभिन्न सशस्त्र समूहों द्वारा भी 2,000 से अधिक गंभीर उल्लंघन किए गए। सूची में सूडान, दक्षिण सूडान, सीरिया और यूक्रेन में रूसी सैन्य बलों का भी उल्लेख है।

बच्चों की मौत और चोट के मामलों में भी सरकारी बल आगे : रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सेनाएं 6,266 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार पाई गईं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक है। वहीं 7,958 बच्चों के घायल होने की पुष्टि हुई है।

गाजा में हजारों बच्चों की मौत : संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की है कि गाजा में इस्राइल सैन्य कार्रवाई के दौरान 2,668 फ़िलिस्तीनी बच्चों की मौत हुई। इसके अलावा पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम में 55 बच्चों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गाजा में 4,588 अतिरिक्त बच्चों की मौत और 346 इस्राइल बच्चों के घायल होने की खबरों की जांच अभी जारी है।

संयुक्त राष्ट्र ने जताई गहरी चिंता : संघर्ष क्षेत्रों में बच्चों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि वैनेसा फ्रेजियर ने कहा कि बच्चों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का पैमाना बेहद चिंताजनक है और अब केवल चिंता जताने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने सदस्य देशों से बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की।

आखिर क्यों बढ़ रहे हैं ऐसे मामले : विशेषज्ञों के मुताबिक, युद्ध की बदलती प्रकृति इसकी बड़ी वजह है। अब लड़ाइयां खुले मैदानों के बजाय घनी आबादी वाले शहरों और बस्तियों में लड़ी जा रही हैं। ड्रोन, मिसाइलों और भारी विस्फोटक हथियारों के बढ़ते इस्तेमाल से बच्चों पर खतरा और बढ़ गया है।

हजारों बच्चों को जबरन बनाया गया लड़ाका : रिपोर्ट के अनुसार, 6,607 बच्चों को जबरन भर्ती कर युद्ध में इस्तेमाल किया गया। सबसे ज्यादा मामले कांगो, नाइजीरिया, हैती, सोमालिया और कोलंबिया में दर्ज हुए।

अपहरण और यौन हिंसा भी बड़ी चिंता : संयुक्त राष्ट्र ने 5,129 बच्चों के अपहरण की पुष्टि की है। सबसे अधिक मामले नाइजीरिया, कांगो, सोमालिया, म्यांमार और मोजाम्बिक में सामने आए। वहीं 1,783 बच्चे बलात्कार और अन्य प्रकार की यौन हिंसा के शिकार हुए। ऐसे मामलों में कांगो, नाइजीरिया, सोमालिया, सूडान और हैती सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र का संदेश: बच्चों की सुरक्षा का कोई विकल्प नहीं : रिपोर्ट का सबसे बड़ा संदेश यही है कि दुनिया भर में बढ़ते संघर्षों का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि यदि सरकारें और अंतरराष्ट्रीय समुदाय तुरंत ठोस कदम नहीं उठाते, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और गंभीर हो सकता है।

नाइजर की राजधानी के एयरपोर्ट पर बड़ा आतंकी हमला; 11 सैनिक, दो नागरिकों की मौत; 22 हमलावर ढेर

नियामे, एजेंसी। अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी नियामी में स्थित मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार तड़के हथियारबंद हमलावरों ने बड़ा हमला कर दिया। इस हमले में 11 सैनिकों और दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में 22 हमलावर भी मारे गए। नाइजर के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हमलावरों ने राजधानी के डियोरी हमानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया था। सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमले को विफल कर दिया। इस दौरान 20 संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया गया है। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

हमले के तुरंत बाद सुरक्षाकर्मियों ने की कार्रवाई : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमले के दौरान एयरपोर्ट क्षेत्र में गोलियों की आवाजें और विस्फोट सुनाई दिए। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और एयरपोर्ट जाने वाले रास्तों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, कुछ घंटों बाद नाइजर की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन एजेंसी ने कहा कि एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य रूप से जारी है और उड़ानों पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। यह इस साल एयरपोर्ट पर हुआ दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले जनवरी में भी इसी एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया था। उस हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने ली थी। तब एयरपोर्ट पर मौजूद नाइजर के ड्रोन ठिकानों को निशाना बनाया गया था। डियोरी हमानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नाइजर के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां नाइजर वायुसेना का बेस मौजूद है। साथ ही नाइजर, बुर्किना फासो और माली की संयुक्त सैन्य बल का मुख्यालय भी इसी परिसर में स्थित है। विशेषज्ञों का कहना है कि एयरपोर्ट की सुरक्षा जनवरी के हमले के बाद बढ़ाई गई थी, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र में सक्रिय जिहादी संगठन लगातार खतरा बने हुए हैं। नाइजर, बुर्किना फासो और माली जैसे साहेल क्षेत्र के देश लंबे समय से आतंकवादी हिंसा का सामना कर रहे हैं।

2023 में तख्तापलट सत्ता में है सेना समर्थित सरकार : गौरतलब है कि नाइजर में 2023 में सैन्य तख्तापलट के बाद सेना समर्थित सरकार सत्ता में है। इसके बावजूद देश में आतंकवादी हमलों और हिंसक गतिविधियों पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि एयरपोर्ट का सामरिक महत्व और संयुक्त सैन्य बल का मुख्यालय होने के कारण आतंकवादी संगठन इसे बार-बार निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

अमेरिका में गोलीबारी की तीन बड़ी घटनाओं से हड़कंप, न्यूयॉर्क से मिसिसिपी और कंसास सिटी तक तनाव

न्यूयॉर्क/मिसिसिपी/कंसास सिटी, एजेंसी। अमेरिका में एक ही दिन के दौरान हुई तीन अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर, मिसिसिपी के सेनाटोबिया और मिसौरी के कंसास सिटी में हुई घटनाओं ने लोगों में दहशत फैला दी। न्यूयॉर्क के मशहूर टाइम्स स्क्वायर में गुरुवार दोपहर अचानक गोलीबारी होने से अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो लोग भीड़भाड़ वाले इलाके में आए और पिस्तौल जैसी दिखने वाली बंदूकों से फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनते ही लोग इधर-उधर भागने लगे और कई लोग जमीन पर झुककर छिप गए। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए संदिग्ध का पीछा किया। घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह गोलीबारी ऐसे समय हुई जब एनबीए चैंपियन न्यूयॉर्क निक्स की जीत के जश्न के बाद शहर में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। मिसिसिपी के छोटे से शहर सेनाटोबिया में पुलिस की गोली लगने से एक साल के बच्चे कोहेन वाइली की मौत हो गई। पुलिस एक दुकान से कथित चोरी की शिकायत पर कार्रवाई कर रही थी। पुलिस का दावा है कि संदिग्ध वाहन ने अधिकारियों को टक्कर मारने की कोशिश की, जिसके बाद एक अधिकारी ने गोली चला दी। हालांकि बच्चे की मां ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि वाहन पुलिसकर्मियों की ओर नहीं जा रहा था। घटना के बाद शहर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे पुलिस जवाबदेही और नस्लीय भेदभाव से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर की बेटी बर्निस किंग ने कहा कि कुछ डायपरों की कथित चोरी के मामले में एक बच्चे की जान चली जाना नैतिक विफलता है। मिसौरी के कंसास सिटी में कुछ ही मिनटों के भीतर हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, एक 22 वर्षीय संदिग्ध ने अलग-अलग स्थानों पर वाहनों को निशाना बनाकर गोलियां चलाईं।

समझौते पर खामेनेई का पहला बयान, कहा- ट्रंप को मजबूरी में करना पड़ा एमवयू, यूएस झुका या ईरान जीता

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की पुष्टि करते हुए एक खास पोस्ट में कहा कि यह समझौता ईरान की उत्सुकता से नहीं, बल्कि अमेरिका की मजबूरी की वजह से हुआ है। खामेनेई ने अपने पोस्ट में लिखा, 'जैसा कि आपको बताया गया है, ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपतियों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।' ईरानी अधिकारियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए ईमानदारी से काम किया था, लेकिन अमेरिकी पक्ष ने ही सबसे अधिक जोर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ही मजबूरी में आकर इसे अंजाम देने के लिए हर तरह के दबाव और तरीकों का इस्तेमाल किया।

समझौते पर थी आपत्ति, फिर भी क्यों दी मंजूरी : खामेनेई ने माना कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस समझौते को लेकर कुछ आपत्तियां थीं। उन्होंने कहा, 'सिद्धांत के तौर पर मेरी राय अलग थी,' लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उन्होंने ईरानी राष्ट्र और 'रेसिस्टेंस फ्रंट' (प्रतिरोध मोर्चा) के अधिकारों की रक्षा करने के ईरानी राष्ट्रपति के वादे के आधार पर अपनी मंजूरी दे दी।

अमेरिका ने सीमा लांघी तो नहीं झुकेगा ईरान : हालांकि खामेनेई ने इस पोस्य में यह भी कहा कि अगर अमेरिका तय की गई बातों से आगे बढ़ने की कोशिश करेगा तो ईरान झुकेगा नहीं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर अमेरिकी पक्ष हद से ज्यादा मांगें रखने की कोशिश करेगा, तो वे उन्हें नहीं मानेंगे। उन्होंने खुद को 'विनम्र सेवक' बताते हुए सीधे अपने देश को संबोधित किया और ईरानियों से तय शर्तों के पूरा होने का इंतजार करने को कहा।

वर्साय के महल में हुई ऐतिहासिक घोषणा : समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर जी7 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा वर्साय के महल में आयोजित रात्रिभोज के दौरान किए गए। मैक्रों ने एक्स पर इस घटनाक्रम की घोषणा करते हुए समझौते को ऐसा बताया जो 'स्थायी शांति का रास्ता बनाता है और होर्मुज़ को फिर से खोलने की अनुमति देता है।' औपचारिक हस्ताक्षर मूल रूप से शुक्रवार को स्विट्ज़रलैंड में होने वाले थे। तेहरान ने पुष्टि की कि जिनेवा में होने वाली नियोजित बैठक तय कार्यक्रम के अनुसार होगी। इस दस्तावेज़ का औपचारिक शीर्षक 'संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के बीच इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन' है। इसमें लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तुरंत और स्थायी रूप से समाप्त करने की मांग की गई है। इस शर्तों के तहत अमेरिका ने 30 दिनों के भीतर ईरान की नौसैनिक नाकेबंदी हटाने का वादा किया है। इस दौरान जहाजों की आवाजाही के युद्ध-पूर्व स्तर पर लौटने की उम्मीद है। अमेरिका अंतिम समझौता होने के 30 दिनों के भीतर ईरान के आसपास से अपनी सेना हटाने पर भी सहमत हो गया है। अपनी ओर से ईरान 60 दिनों तक बिना किसी शुल्क के वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने पर सहमत हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय महिला शांति सैनिकों की सराहना, संघर्ष क्षेत्र में महिलाओं को दे रहीं नई उम्मीद

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि भारतीय महिला शांति सैनिक संघर्ष क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों के लिए उम्मीद की किरण बन रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 160 से अधिक भारतीय महिलाएं अलग-अलग यूएन मिशनों में सेवा दे रही हैं। सुरक्षा परिषद में 'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' विषय पर हुई बहस में पी. हरीश ने कहा कि महिला सैनिक समुदायों में भरोसा पैदा करती हैं और खासकर महिलाओं व बच्चों को सुरक्षा का एहसास दिलाती हैं। वे लैंगिक हिंसा जैसे मामलों को समझने और रोकने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने भारतीय सेना की मेजर अभिलाषा बराक का जिक्र किया, जिन्हें हाल ही में संयुक्त राष्ट्र का जेंडर एडवोकेट अवॉर्ड मिला है। इससे पहले भी दो भारतीय महिलाएं यह सम्मान पा चुकी हैं।

भारत की ऐतिहासिक पहल : भारत ने सबसे पहले लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत पूरी तरह महिला यूनिट तैनात की थी। इससे हजारों स्थानीय महिलाओं को पुलिस में शामिल होने की प्रेरणा मिली। दिल्ली में बनाए गए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र के जरिए भारत दुनिया भर की महिला सैन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दे रहा है। पिछले साल 15 देशों की महिलाओं ने इसमें हिस्सा लिया, जबकि 35 देशों की महिला शांतिदूत एक सम्मेलन में शामिल हुईं।

महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी : पी. हरीश ने कहा कि शांति कायम रखने के प्रयास तभी सफल होंगे जब महिलाओं को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने भारत में पंचायतों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण और 2023 के महिला आरक्षण कानून का उदाहरण दिया। भारत में महिलाओं ने ऊंचे पदों पर भी अहम भूमिका निभाई है, जैसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी। संयुक्त राष्ट्र - महिला की प्रमुख सीमा बहौस ने कहा कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण शांति स्थापित करने के सबसे प्रभावी तरीके हैं। उन्होंने बताया कि 2000 में पास किए गए प्रस्ताव के बाद यह साबित हुआ है कि महिलाओं की भागीदारी से हिंसा कम होती है और शांति लंबे समय तक टिकती है। वहीं महिला अधिकार कार्यकर्ता काव्या असोका ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून कमजोर हो रहा है और सिर्फ निंदा से काम नहीं चलेगा। उन्होंने हथियारों की आपूर्ति रोकने जैसे ठोस कदम उठाने की मांग की।

अंतरिम समझौते से तेहरान को बड़ी आर्थिक राहत, परमाणु मुद्दे पर कठिन फैसले टले

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध रोकने को लेकर हुए अंतरिम समझौते से ईरान को महत्वपूर्ण आर्थिक राहत मिलने जा रही है। इस 14 सूत्रीय अंतरिम समझौते ने दोनों देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर सबसे विवादित मुद्दों पर अंतिम फैसले को आगे की बातचीत के लिए टाल दिया है। अप्रैल में घोषित युद्ध विराम को अगले 60 दिनों के लिए बढ़ाया गया है, ताकि दोनों पक्ष स्थायी शांति समझौते पर बातचीत कर सकें। समझौते के तहत अमेरिका ईरान के बंदरगाहों पर लगाए गए नौसैनिक प्रतिबंधों को हटाएगा और ईरान को तेल निर्यात की अनुमति देने के लिए अस्थायी छूट देगा। इससे आर्थिक संकट से जूझ रहे ईरान को बड़ी राहत मिल सकती है।

शुरुआती समझौता ईरान के पक्ष में अधिक : ग्राजेव्स्की : इस समझौते को ईरान के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। समझौते के तहत अमेरिका ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाएगा और बंदरगाहों को खोलेगा। ईरान की फ्रीज की गई अरबों डॉलर की संपत्ति को बहाल करेगा। साथ ही युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए 300 अरब डॉलर का निवेश कोष बनाएगा। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संबंध विश्लेषक निकोल ग्राजेव्स्की ने कहा कि मौजूदा समझौता तत्काल लाभों के लिहाज से ईरान के पक्ष में अधिक दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जिन कठिन कदमों की मांग कर रहा था, उनमें से कई को आगे की वार्ता के लिए टाल दिया गया है। ईरान के साथ कूटनीति के समर्थकों ने समझौते का खुस्वागत किया है।

नेशनल ईरानियन अमेरिकन काउंसिल के अध्यक्ष जमाल अब्दी ने कहा कि इसे रियायत के बजाय लंबे समय से चली आ रही दबाव की नीति में बदलाव के रूप में देखा जाना चाहिए। वहीं, अमेरिका में ईरान के प्रति सख्त रुख रखने वाले समूहों ने तेल निर्यात और बैंकिंग प्रतिबंधों में ढील को लेकर चिंता जताई है। साथ ही अन्य विशेषज्ञों ने भी इसे ईरान के लिए अच्छा बताया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा, ईरानी जहाज बिना किसी बाधा बंदरगाहों में दाखिल हुए हैं और बिना किसी रुकावट के सामान भी उतारा गया है। बघाई ने कहा, जब अमेरिका और ईरान के राष्ट्रपतियों डोनाल्ड ट्रंप और मसूद पेजेशकियन ने किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, तो उसका उल्लंघन करने की कीमत भी ज्यादा चुकानी होगी। ईरानी प्रवक्ता ने कहा, हमने तय किया कि बेहतर विकल्प यह है कि दोनों देशों के राष्ट्रपति किसी खास जगह पर मौजूद रहे बिना, वर्चुअली दस्तावेज पर हस्ताक्षर करें। इस फैसले के कई कारण हैं, जिनमें सबसे अहम यह है कि जब दस्तावेज पर दोनों देशों के सबसे बड़े अधिकारियों के हस्ताक्षर होंगे, तो इसके उल्लंघन की कीमत भी ज्यादा होगी।

विशेष चुनाव में जीते लेबर पार्टी नेता बर्नहैम, पीएम स्टार्मर के सामने पद बरकरार रखना चुनौती

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एंडी बर्नहैम ने विशेष चुनाव में जीत हासिल की है। इस जीत के बाद वे प्रधानमंत्री स्टार्मर को चुनौती दे सकते हैं। शुक्रवार को घोषित नतीजों के बाद बर्नहैम लेबर पार्टी के नेता के अलावा देश में प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार बनकर उभरे हैं। बर्नहैम ने उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के मेकरफील्ड सीट पर रिफॉर्म यूके के रॉब केन्यॉन को हराया। उन्होंने वादा किया है कि यदि लोग उन पर भरोसा करते हैं, तो वह राजनीति बदल देंगे। ब्रिटेन की संसद- हाउस ऑफ कॉमन्स के 650 सांसदों में से एक राजनेता- बर्नहैम के इस दावे को बड़ा माना जा रहा है।

लेबर पार्टी के सांसदों ने मांगा स्टार्मर के इस्तीफे की मांग की : बर्नहैम ने चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद कहा कि वह बदलाव की लड़ाई को जितना ऊंचा ले जा सकते हैं, ले जाएंगे। जुलाई 2024 में शानदार चुनावी जीत के बाद से स्टार्मर की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। वह आर्थिक वृद्धि, सार्वजनिक सेवाओं की मरम्मत और जीवन-यापन की लागत को कम करने में संघर्ष कर रहे हैं। वह बार-बार की गई गलतियों से भी जूझ रहे हैं। इनमें पीटर मैंडेलसन को अमेरिका में राजदूत नियुक्त करने का उनका निर्णय शामिल है। मैंडेलसन जेफरी एपस्टीन के एक विवादित मित्र हैं। मई के स्थानीय चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद कई लेबर पार्टी के सांसदों ने स्टार्मर के इस्तीफे की मांग की।

क्या स्टार्मर पर बढ़ रहा पद छोड़ने का दबाव : स्टार्मर ने पद छोड़ने से इन्कार कर दिया है, लेकिन उनके वरिष्ठ सहयोगी बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं। मई में वेस स्ट्रीटइंग ने स्वास्थ्य सचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि जहां हमें दूरदर्शिता की आवश्यकता है, वहां एक शून्य है। मेकरफील्ड के लेबर सांसद जोश साइमन ने बर्नहैम को संसद में लौटने का अवसर देने के लिए इस्तीफा दिया। ब्रिटेन की संसदीय प्रणाली गवर्निंग पार्टियों को मध्यावधि में नेता बदलने की अनुमति देती है। इस प्रक्रिया में विजेता को राष्ट्रीय चुनाव की आवश्यकता के बिना प्रधानमंत्री बना दिया जाता है। लेबर नियमों के तहत, एक सांसद पार्टी के हाउस ऑफ कॉमन्स के एक-पांचवें यानी 81 सांसदों के समर्थन से नेता को चुनौती दे सकता है।

देश में नेतृत्व की दौड़ में कौन, बर्नहैम की दावेदारी कितनी मजबूत : स्ट्रीटइंग ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि स्टार्मर पद छोड़ने के लिए सहमत होंगे। यदि ऐसा नहीं होता है, तो एक प्रतियोगिता की आवश्यकता होगी और वह इसके लिए तैयार होंगे। स्ट्रीटइंग संसदीय सहयोगियों के बीच समर्थन आधार वाले एक आश्वस्त संचारक हैं। हालांकि, बर्नहैम को स्टार्मर का अधिक संभावित उत्तराधिकारी माना जाता है। 56 वर्षीय राजनेता को 'किंग ऑफ द नॉर्थ' उपनाम दिया गया है। उन्होंने 2017 से मैनचेस्टर का नेतृत्व किया है। इस दौरान उन्होंने शहर के तीव्र पुनरुद्धार की देखरेख की है। मैनचेस्टर वह शहर है जहां औद्योगिक क्रांति का जन्म हुआ था। बर्नहैम राष्ट्रीय स्तर पर अपने 'मैनचेस्टरवाद' को दोहराने का वादा कर रहे हैं।

स्टार्मर का रुख और देश की राजनीति में आगे की राह कैसी : ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री स्टार्मर ने शांत रहने और अपना काम जारी रखने की कोशिश की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका पद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने इस सप्ताह फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन में कहा कि यदि कोई चुनौती आती है तो वह लड़ेंगे। स्टार्मर ने 2024 में एक महत्वपूर्ण आम चुनाव जीता था।

उन्होंने बदलाव लाने के जनादेश का हवाला दिया। स्टार्मर ने बुधवार को स्काई न्यूज को बताया कि वह बर्नहैम को कैबिनेट पद की पेशकश कर सकते हैं। बर्नहैम के सहयोगियों ने संकेत दिया कि वह इसमें दिलचस्पी नहीं रखते। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर रॉब फोर्ड ने कहा कि बर्नहैम के संसद में लौटने के बाद स्टारर पर दबाव का विरोध करना बहुत मुश्किल होगा। फोर्ड ने यह भी कहा कि मेकरफील्ड में रिफॉर्म यूके को हराने से बर्नहैम की लेबर की सबसे बड़ी संपत्ति होने की दावेदारी मजबूत होती है।

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड 25 रजत जयंती वर्ष
गौरव, विकास और संकल्प का पर्व

देवभूमि उत्तराखण्ड
विकास भी, विरासत भी

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है।"

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

उत्तराखण्ड @2025 से उत्तराखण्ड @2047
संकल्प
प्रधानमंत्री जी के विज़न को साकार करने का

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।"

पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

इको टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, बारहमासी पर्यटन

- उत्तराखण्ड के जखोल, सूपी, हर्षिल और गुंजी गांवों को भारत सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में पुरस्कृत किया गया।
- एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए ऋषिकेश के साथ टनकपुर में रिवर राफ्टिंग की हुई शुरुआत।
- गौरीकुण्ड से केदारनाथ एवं गोविन्दघाट से हेमकुण्ड साहिब तक रोपवे निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास|
- चारधाम शीतकालीन प्रवास स्थान (खरसाली, मुखबा, उखीमठ, पाण्डुकेश्वर) आदि प्रसिद्ध धाम हैं।

वाइब्रेंट विलेज

- वाईब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत चयनित 51 गांवों का किया जा रहा सुनियोजित विकास।
- इन गांवों में होमस्टे, स्वरोजगार, खेती स्थानीय उत्पादों एवं सोलर के माध्यम से बिजली उत्पादन को भी दिया जा रहा बढ़ावा।
- राज्य सरकार द्वारा वाइब्रेंट विलेज को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने पर दिया जा रहा जोर।
- पर्यटन केंद्र के बनने से मिलेगा स्थानीय लोगों को रोजगार तथा आर्थिक रुप से होंगें सशक्त।

हाऊस ऑफ हिमालयाज

- प्रधानमंत्री जी के वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल के विज़न को साकार करने की दिशा में 2023 में हाउस ऑफ हिमालयाज का किया गया शुभारंभ।
- हाउस ऑफ़ हिमालय के अंतर्गत अब तक राज्य की 3,300 ग्रामीण महिलाओं को प्रत्यक्ष एवं 28,000 से अधिक महिलाओं को अप्रत्यक्ष रुप से मिला लाभ।
- 400 से अधिक लोकल क्लस्टर की मैपिंग एवं वर्तमान में 50 से अधिक लोकल क्लस्टर इकाइयों से हो रही सक्रिय खरीदारी।

वेडिंग डेस्टिनेशन

- राज्य सरकार उत्तराखण्ड को वेडिंग डेस्टिनेशन के रुप में कर रही स्थापित।
- देशभर से बड़ी संख्या में लोग त्रियुगीनारायण मंदिर, ऋषिकेश, हरिद्वार, नैनीताल, रामनगर, मुक्तेश्वर ग्वालदम जैसे स्थानों पर विवाह करने आते हैं। इन स्थानों में बुनियादी सुविधाओं का हो विकास एवं शादियों से स्थानीय लोगों को मिले रोजगार, राज्य सरकार ऐसी व्यवस्था कर रही है सुनिश्चित।

हस्तशिल्प, आर्गेनिक उत्पाद

- महिलाओं को आर्थिक रुप से सशक्त बनाने के लिए लखपति दीदी योजना के तहत महिला/स्वयं सहायता समूहों को रुपए 5 लाख तक का ऋण बिना ब्याज के कराया जा रहा उपलब्ध|
- प्रदेश में अब तक करीब 1 लाख 65 हजार लखपति दीदी बनाई गई।
- उत्तराखण्ड के 15 कृषि उत्पादों को मिला जीआई टैग।

पर्यटक अपने यात्रा व्यय का 5% स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें: प्रधानमंत्री

लोकल से ग्लोबल की ओर उत्तराखण्ड के शिल्प और जैविक उत्पाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वोकल फॉर लोकल की बात कही है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने इस योजना को 'वन डिस्ट्रिक्ट टू प्रोडक्ट' के रूप में आगे बढ़ाया है। बदरीनाथ धाम के निकट माणा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि कहीं भी घूमने जाएं तो अपने यात्रा व्यय का 5 प्रतिशत स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें। इससे स्थानीय आर्थिकी में जबरदस्त परिवर्तन देखने को मिलेगा। किसी भी क्षेत्र की पहचान उनकी भाषा बोली एवं स्थानीय उत्पादों से होती है, इनको बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किये जाने चाहिए।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बताई जाएगी योगासनों की बारीकियां

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग प्रोटोकॉल अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें योग साधकों को विभिन्न योगासनों की बारीकियों से अवगत कराया गया। इस दौरान सामान्य ज्ञान और आयुर्वेद विषय पर लिखित प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। जूनियर और सीनियर वर्ग के प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सम्मानित किया जाएगा। 21 जून को मालवीय उद्यान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा। इसके लिए योग साधकों ने नियमित अभ्यास किया और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन सीखे। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को योग के लाभों और विभिन्न तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर योग साधकों को ऋतु खंडूडी भूषण की ओर से योग मैट भी वितरित किए गए।

अज्ञात बदमाशों ने घर में की चोरी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत बालासौड़ में अज्ञात बदमाशों ने एक घर से सामान चोरी कर दिया। बालासौड़ निवासी प्रदीप ने बताया कि बीती तीन जून से 18 जून के मध्य अज्ञात ने उनके घर से एक-एक कर इंवर्टर, पंखे, गैस सिलेंडर, पीतल के बर्तन, तांबे के बर्तन, इलेक्ट्रिक वायर, एलसीडी, घड़ी सहित अन्य सामान चोरी कर दिया। पुलिस ने दी गई तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर दिया है।

युवक का शव मालाखूंटी से बरामद

श्रीनगर गढ़वाल : बीते 13 जून को संगम पर भागीरथी में बहे राजस्थान के युवक रामदयाल का शव एसडीआरएफ टीम को मालाखूंटी से मिला। एसआई महेंद्र राणा की अगुवाई में युवक की गंगा में तलाश के लिए लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा था। कोतवाल प्रशांत बहुगुणा ने बताया कि राजस्थान के जैसलमेर जिले की तहसील फलसूंड स्थित भीखडाई जूनी गांव से रामदयाल (23) पुत्र लछमाराम अपने चार दोस्तों के साथ बदरीनाथ यात्रा पर निकला था। बीते 13 जून को सभी देवप्रयाग संगम पर भागीरथी घाट की ओर नहाने चले गए। रामदयाल को अचानक चक्कर आ गया और वह भागीरथी में गिरकर नदी की तेज धारा में बह गए। (एजेंसी)

गुरिल्लाओं ने दी सीएम आवास कूच की चेतावनी

श्रीनगर गढ़वाल : एसएसबी गुरिल्ला संगठन के मीडिया प्रभारी अनिल प्रसाद भट्ट ने बताया कि संगठन की 2 जून को हुई बैठक में सरकार को मांगों के समाधान के संदर्भ में वार्ता के लिए 15 दिन का समय दिया था, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि संगठन का प्रतिनिधिमंडल 22 जून को मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव और गृह विभाग के प्रमुख सचिव को ज्ञापन देने के लिए जाएगा तथा वार्ता के लिए समय मांगेगा। संगठन ने चेतावनी दी यदि इसके बाद भी कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई तो 29 जून से देहरादून में प्रदर्शन, मुख्यमंत्री आवास और सचिवालय कूच किया जाएगा।

बदहाल सड़कों पर टूट रही कमर, जिम्मेदार मौन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भले ही नगर निगम बेहतर विकास के दावे कर रहा हो। लेकिन, हकीकत यह है कि नगर निगम बदहाल सड़कों की मरम्मत तक नहीं करवा पा रहा है। नतीजा, बदहाल सड़को पर दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। आए दिन दोपहिया वाहन चालक गड्ढों की चपेट में आने से चोटिल हो रहे हैं। सड़क मरम्मत के लिए कई बार क्षेत्रवासी नगर निगम से गुहार लगा चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया।

एक से चालीस वार्ड तक शायद ही कोई ऐसी सड़क हो जहां गड्ढे न दिखाई दें। गड्ढों के बीच खो रही सड़क ने राहगीरों की चुनौती बढ़ा दी है। कई स्थानों पर गड्ढे इतने बड़े हैं कि दोपहिया वाहनों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। सबसे बुरी स्थिति शिब्बूनगर, मानपुर, बालासौड़, तड़ियाल चौक, पदमपुर क्षेत्र में बनी हुई है। शिब्बूनगर क्षेत्र में दो दिन पूर्व एक साइकिल सवार छात्र गड्ढे की चपेट में आने से चोटिल हो गया था। हल्की वर्षा होने पर ही यह गड्ढे पानी से भर जाते हैं, जिस कारण वाहन चालकों का गड्ढे का अंदाजा नहीं लग पाता। क्षेत्रवासी सोहन नेगी, वीरेंद्र रावत ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में नगर निगम को पत्र दिया गया था। लेकिन, नगर निगम ने धरातल पर पहुंचकर स्थिति जानने की जहमत तक नहीं उठाई। ऐसे में वर्षाकाल के दौरान समस्या और अधिक बढ़ सकती है।

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत शिब्बूनगर क्षेत्र में सड़कों पर पड़े गड्ढे

निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी का लगाया आरोप

श्रीनगर गढ़वाल : प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कीर्तिनगर के दुगड्डा-चौकी मार्ग पर चल रहे डामरीकरण कार्य की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए। लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की जा रही है। मौके पर पहुंचकर लोगों ने आक्रोश भी जताया। उन्होंने निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कर गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने की मांग की।

पूर्व प्रधान सुनय कुकशाल, अरुण नेगी, तनुज बडोनी, शिवम बंगवाल, महावीर रौथाण, अनिल बड़ोनी और कलम सिंह बिष्ट ने आरोप लगाया कि डामरीकरण से पहले बिछाए गए पत्थर मानकों के अनुरूप नहीं हैं और सड़क निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान भी नहीं रखा जा रहा है। कंकरीट सड़क पर बिखर रही है और दोपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। वहीं जिन हिस्सों पर डामरीकरण किया गया है वहां भी डामर की मोटाई और अन्य मानकों की गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखा जा रहा है। ग्रामीण आनंद ने बताया कि सड़क के निर्माण का मलबा उनके खेतों में डाला जा रहा है। वहीं इस संबंध में पीएमजीएसवाई कीर्तिनगर के अधिशासी अभियंता शिवम रावत ने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग की टीम भी निरीक्षण के लिए भेजी गई है। रिपोर्ट मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। (एजेंसी)

गोपेश्वर में पीएम स्वनिधि योजना के तहत लोक कल्याण मेले का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : नगर पालिका परिषद गोपेश्वर में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत निकाय स्तरीय लोक कल्याण मेले का आयोजन पालिका अध्यक्ष संदीप रावत की अध्यक्षता में किया गया। मेले में स्ट्रीट वेंडरों को पीएम स्वनिधि पुनर्गठित योजना, डिजिटल लेन-देन, क्रेडिट सुविधाओं तथा स्वनिधि से समृद्धि के तहत संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। सिटी मिशन मैनेजर सुरेन्द्र पंवार ने योजना के तहत मिलने वाले ऋण एवं भारत सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। पालिका अध्यक्ष संदीप रावत ने अधिक से अधिक स्ट्रीट वेंडरों तक योजना का लाभ पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार की योजनाएं अब पात्र लाभार्थियों तक सरलता से पहुंच रही हैं। पालिका के अधिशासी अधिकारी अनिल पंत ने वेंडरों को स्वनिधि से समृद्धि के तहत उपलब्ध आठ कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। वहीं वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप मिश्रा ने खाद्य सुरक्षा मानकों और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पीएम मातृ वंदना योजना की जानकारी दी गई। साथ ही जिला अस्पताल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर स्ट्रीट वेंडरों और उनके परिवारजनों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। मेले में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, बैंक प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्ट्रीट वेंडरों ने भाग लिया।

वीकेंट पर पहाड़ चढ़ें पर्यटक, रेंग-रेंग कर चलते रहे वाहन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भीषण गर्मी से परेशान मैदानी क्षेत्रों के लोग इन दिनों पहाड़ी इलाकों का रूख कर रहे हैं। इसी कारण शनिवार को वीकेंड पर कोटद्वार से दुगड्डा तक वाहनों का भारी दबाव देखा गया और राष्ट्रीय राजमार्ग सहित बाजार क्षेत्र में दिनभर लंबा जाम लगा रहा।

स्थिति यह रही कि कोटद्वार से दुगड्डा तक की यात्रा, जो सामान्यतः लगभग आधे घंटे में पूरी होती है, शनिवार को करीब एक घंटे में पूरी हुई। सुबह से ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की रफ्तार धीमी रही और जगह-जगह जाम की स्थिति बनती रही। बरसात के बाद से कोटद्वार-दुगड्डा मार्ग की बदहाल स्थिति भी जाम का बड़ा कारण बनी हुई है। कई स्थानों पर सड़क का हिस्सा क्षतिग्रस्त और खोखला होने से यातायात प्रभावित हो रहा है। वहीं दुगड्डा बाजार में सड़क किनारे बेतरतीब पार्किंग और बढ़ते वाहन दबाव ने स्थिति और बिगाड़ दी। दुगड्डा पुलिस चौकी से लेकर पूरे बाजार क्षेत्र तक लंबा जाम लगा रहा, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वीकेंड पर हालात बिगड़ते हैं, लेकिन व्यवस्था सुधारने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती नहीं की जाती।

वीकेंट पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगा वाहनों का जाम

अलकनंदा नदी पर करीब 17 करोड़ की लागत से बनेगा पुल

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के सुपाणा और नगर निगम क्षेत्र की डैम कॉलोनी, कोटेश्वर के बीच अलकनंदा नदी पर करीब 16 से 17 करोड़ रुपये की लागत से 130 मीटर स्पान का स्टील ब्रिज का निर्माण किया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग ने इसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पुल के निर्माण से क्षेत्र के कई गांवों सहित कीर्तिनगर से स्वीत पुल तक ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग के करीब 10 किलोमीटर भाग का विकल्प भी बनेगा। प्रस्तावित स्थल पर करीब 40 वर्ष पहले सिंचाई विभाग ने स्टील ब्रिज का निर्माण कराया था। बाद में पुल पर पेयजल पाइपलाइन बिछाए जाने के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने लगी। अब नए मोटर पुल के निर्माण से क्षेत्रवासियों को बेहतर संपर्क सुविधा मिल सकेगी। यह पुल चौरास क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। साथ ही श्रीनगर शहर में जाम या राष्ट्रीय राजमार्ग पर किसी कारण से यातायात बाधित होने की स्थिति में यह वैकल्पिक मार्ग के रूप में भी काम करेगा। इससे स्थानीय लोगों के अलावा यात्रियों को भी राहत मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां पूरी

श्रीनगर गढ़वाल : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी गढ़वाल के निर्देशानुसार सिविल जज (जूनियर डिवीजन) एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति श्रीनगर अलका की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सुबह सात बजे सिविल न्यायालय परिसर श्रीनगर में सामूहिक योग कार्यक्रम तथा इसके बाद वृहद स्वच्छता अभियान चलाने की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में बार एसोसिएशन पदाधिकारियों, सहायक नगर आयुक्त गायत्री बिष्ट आदि मौजू दरहे। (एजेंसी)

बुटली गांव में कुल देवी मां बाल कुंवारी का तीन दिवसीय अनुष्ठान सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के अंतर्गत ग्राम बुटली में कुल देवी मां बाल कुंवारी मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान पूजा अर्चना और विशाल भंडारा के संपन्न हो गया है। धार्मिक अनुष्ठान में भारी संख्या में प्रवासी गांव पहुंचे। प्रवासियों सहित ग्रामीणों ने मां बाल कुंवारी का आशीर्वाद लिया।

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मां बाल कुंवारी मंदिर समिति बुटली द्वारा त्रिवार्षिक सामूहिक भव्य एवं दिव्य पूजा का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य गढ़कोट सविता देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य गढ़कोट कविता देवी द्वारा वित्तीय वर्ष अपनी-अपनी निधियों से पंचायत भवन में इंटर लॉक और सी सी निर्माण करवाया गया। इस योगदान के लिए ग्रामवासियों ने उनको स्मृति चिन्ह और मां बाल कुंवारी का पटका पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान पंचाली अशोक रावत, ग्राम प्रधान बुटली रेनू कपटियाल, समाजिक कार्यकर्ता जसवीर रावत, युवा गायिका आराधना रावत, ग्राम पंचायत बुटली प्रधान श्रीमती रेनू कपटियाल, युवक मंगल दल अध्यक्ष गौतम रावत, प्रदीप गुसाई, प्रमोद चौहान, महेंद्र गुसाई, राकेश रावत, सुल्तान सिंह, कुल पुरोहित सुनील कपटियाल सहित समस्त ग्रामवासी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन समाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी ने किया।

मुख्यमंत्री ने विकास योजनाओं के लिए दी 10 .08 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के विभिन्न जनपदों में विकास कार्यों को गति प्रदान करने तथा जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 10 .08 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृतियों का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक स्थलों के संरक्षण, संवर्धन एवं आधारभूत संरचनाओं के विकास, संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण तथा जनसुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

भारतीय रेल

"सार्वजनिक सूचना"

इसके द्वारा नॉर्दर्न रेलवे के नीचे बताए गए सेक्शन के पूरे हो चुके हिस्से पर मौजूद रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी यूजर्स को सूचित किया जाता है कि 25 kV, 50 Hz, AC ओवरहेड ट्रैक्शन तारों को सेक्शन के सामने बताई गई तारीख या उसके बाद चालू (energized) कर दिया जाएगा। उसी तारीख से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली चालू) माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस–पास कोई काम करेगा।

सेक्शन: JUC एंड पर (i) अप लाइन के Km 71/19 से Km 71/21 तक और Dn मेन लाइन के Km 71/16 से Km 71/18 तक, और PTKC एंड पर (ii) अप लाइन के Km.73/23 से Km 73/25 तक और Dn मेन लाइन के Km 73/20 से Km 73/22 तक दो इमरजेंसी क्रॉस–ओवर की व्यवस्था के लिए 25 kV AC सिंगल फेज 50 Hz सप्लाई पर OHE में बदलाव; और नॉर्दर्न रेलवे के जम्मू डिवीजन के भोगपुर–पठानकोट सेक्शन पर मुकेरियन स्टेशन पर अन्य संबंधित बदलाव का काम, **तारीख** : 28–06–2026

25 kV AC ट्रैक्शन की शुरुआत

"सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए चेतावनी"

जनता को सूचित किया जाता है कि 25 kV AC इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन शुरू करने के सिलसिले में OHE में बदलाव किए जा रहे हैं। इसमें 25 kV AC सिंगल फेज 50 Hz सप्लाई पर दो इमरजेंसी क्रॉस–ओवर बनाए जा रहे हैं: (i) JUC एंड पर अप लाइन के Km 71/19 से 71/21 तक और डाउन मेन लाइन के Km 71/16 से 71/18 तक; और (ii) PTKC एंड पर अप लाइन के Km 73/23 से 73/25 तक और डाउन मेन लाइन के Km 73/20 से 73/22 तक। साथ ही, नॉर्दर्न रेलवे के जम्मू डिवीजन के भोगपुर–पठानकोट सेक्शन में मुकेरियन स्टेशन पर अन्य संबंधित बदलाव का काम भी हो रहा है। लेवल क्रॉसिंग पर बहुत ज्यादा ऊंचाई वाले लोड को लाइव ट्रैक्शन वायर (कॉन्टैक्ट वायर) के संपर्क में आने या खतरनाक रूप से करीब आने से रोकने के लिए सभी लेवल क्रॉसिंग पर हाइट गेज लगाए गए हैं। लेवल क्रॉसिंग पर ये वायर रेल लेवल से कम से कम 5.5 मीटर की ऊंचाई पर होंगे, जबकि हाइट गेज सड़क लेवल से 4.78 मीटर की अधिकतम ऊंचाई पर होंगे।

जनता को सूचित किया जाता है कि वे गाड़ियों में सामान लोड करते समय ऊपर बताई गई ऊंचाई का ध्यान रखें और यह सुनिश्चित करें कि सड़क पर चलने वाली गाड़ियों में लोड किसी भी हाल में हाइट गेज से न टकराए।

बहुत ज्यादा ऊंचाई वाले लोड से होने वाले खतरे इस प्रकार हैं:– i) हाइट गेज को खतरा और उसके कारण सड़क और रेलवे लाइन में रुकावट। ii) ले जाए जा रहे सामान या उपकरण या खुद गाड़ी को खतरा। iii) कंडक्टर के संपर्क में आने या खतरनाक रूप से करीब आने के कारण आग लगने और जान का खतरा।

संख्या 17-Elect/C/TRD/UMB/132 दिनांक: 19–06–2026 **2125/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0 (उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच, (श्रीनगर गढ़वाल)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0

कारपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UR2001SGC025867 दूरभाष: 7668147679 ईमेल: cgrfsrinagar@gmail.com

विद्युत उपभोक्ता कृपया ध्यान दें

1. क्या आपका खराब मीटर नहीं बदला जा रहा है।
2. क्या नया विद्युत संयोजन मिलने में देरी हो रही है।
3. गलत बिल बनकर आने से आप परेशान है।
4. जमा करने के बावजूद पैसा बिल में जुड़ रहा है।
5. खराब ट्रांसफार्मर तय समय में नहीं बदला जा रहा है।

या

आप बिजली से सम्बन्धित किसी अन्य समस्या (विद्युत चोरी, अनाधिकृत उपयोग एवं विद्युत दुर्घटना को छोड़कर) से परेशानी है तो, शिकायतें दूर करने के लिए निम्नलिखित।

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के शिविर में अपनी शिकायत दर्ज कराएं

–:शिविर कार्यक्रम:–

दिनांक :– 24.06.2026

समय:– 11:00 से 1:00 बजे तक

स्थान:– उपखण्ड कार्यालय थलीसैंण

उपभोक्ता अपनी शिकायत मंच को सम्बोधित करते हुए सफेद कागज में स्पष्ट रूप से लिखें तथा शिकायत से सम्बन्धित सभी दस्तावेजों की छायाप्रति संलग्न करते हुए दो प्रतियों में साथ लाऐं।

–: सदस्य :–

श्री कीर्ति प्रसाद भट्ट (सदस्य न्यायिक) 9412139791

श्री रजनीश अग्रवाल (सदस्य तकनीकी) 8057910558

श्री अमित ठाकुर (सदस्य उपभोक्ता) 9837179909

–: मंच कार्यालय का पता :–

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच (श्रीनगर गढ़वाल)

अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल (द्वितीय तल)

पत्रांक : 381/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी-6

दिनांक : 19.06.2026

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" **अधिशासी अभियन्ता**

यशस्वी का शतक, प्रसिद्ध का पंजा; भारत ने अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से जीती

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज का शानदार समापन करते हुए तीसरे और अंतिम मुकाबले में 9 विकेट से एकतरफा जीत दर्ज की। एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में शनिवार को खेले गए मैच में भारत ने 219 रनों का लक्ष्य महज 28.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली।

भारत की जीत के नायक युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा रहे। यशस्वी ने नाबाद 110 रन की शानदार पारी खेलते हुए अपने वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर 5 विकेट हासिल किए।

यशस्वी-रोहित ने आसान बनाया लक्ष्य

219 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने अफगान गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए पहले विकेट के लिए मजबूत साझेदारी की।

रोहित शर्मा ने 69 गेंदों में 79 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उन्हें मोहम्मद नबी ने सेदिकुल्लाह अटल के हाथों कैच कराया। इसके बाद यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर ने कोई जोखिम नहीं लिया और टीम को जीत तक पहुंचाया।

यशस्वी ने 86 गेंदों में नाबाद 110 रन की पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। वहीं श्रेयस अय्यर 20 रन बनाकर नाबाद लौटे।

प्रसिद्ध कृष्णा ने अफगान बल्लेबाजी की कमर तोड़ी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने दूसरे ही ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज (5) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने लगातार झटके देते हुए रहमत शाह (5), इब्राहिम जादरान (11) और दरविश रसूली (11) को भी पवेलियन भेज दिया। महज 36 रन पर चार विकेट गंवाकर अफगानिस्तान संकट में आ गया था।

हालांकि कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी और अजमतुल्लाह उमरजई ने पांचवें विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी कर टीम को संभालने की कोशिश की। उमरजई ने 56 गेंदों में 50 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

उमरजई के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी फिर लड़खड़ा गई। मोहम्मद नबी 21 रन बनाकर आउट हुए, जबकि राशिद खान केवल 5 रन ही बना सके।

शाहिदी का पहला वनडे शतक भी नहीं बचा सका टीम को

एक छोर पर डटे कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पहला शतक पूरा किया। उन्होंने 131 गेंदों पर 102 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल था। शाहिदी की इस जुझारू पारी की बदौलत अफगानिस्तान 44.2 ओवर में 218 रन तक पहुंच सका।

भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे सफल गेंदबाज रहते हुए 5 विकेट लिए। वहीं हर्ष दुबे, गुरनूर बरार और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

भारत ने पूरे दौरे में दिखाया दबदबा

भारतीय टीम इससे पहले धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में 7 विकेट और लखनऊ में दूसरे मुकाबले में 170 रनों से जीत दर्ज कर चुकी थी। चेपॉक में मिली जीत ने सीरीज में भारत का दबदबा पूरी तरह साबित कर दिया।

इस मैच में भारत ने अर्शदीप सिंह, केएल राहुल और कुलदीप यादव को आराम दिया था, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्ष दुबे की प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड और मजबूत

वनडे क्रिकेट में भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक 7 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इनमें भारत ने 6 मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला टाई रहा। अफगानिस्तान अब भी भारत के खिलाफ अपनी पहली वनडे जीत की तलाश में है। चेपॉक में मिली हार के बाद यह इंतजार और लंबा हो गया है।

भारतीय महिला हॉकी टीम की चिली पर बड़ी जीत, नेशंस कप के फाइनल में बनाई जगह

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को ऑकलैंड में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2025-26 के सेमीफ़ाइनल में चिली के खिलाफ 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है।

आज यहां खेले गये मुकाबले में भारत के लिए नवनीत कौर ने (छठे, 13वें), दीपिका ने (14वें, 18वें), नेहा ने (32वें) और रुतुजा दादासो पिसाल ने (39वें) मिनट में गोल किए। कप्तान सलीमा टेटे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए'प्लेयर ऑफ़ द मैच% चुना गया। भारत का फाइनल में मुक़ाबला अमेरिका और मेजबान न्यूज़ीलैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

खेल की अच्छी शुरुआत के बाद, जिसमें भारत ने शुरुआती दौर में गेंद पर अपना कब्ज़ा बनाए रखा, उन्हें छठे मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। नवनीत ने इस मौके का फायदा उठाया और उनके शॉट ने गोल के कोने में जाकर भारत को बढ़त दिलाई। भारत ने 13वें मिनट में अपनी बढ़त और मजबूत की।

सलीमा ने बाईं ओर से शानदार दौड़ लगाई और क्रॉस दिया, जिससे नवनीत को चिली के गोल पोस्ट के सामने बिना किसी रुकावट के गेंद को डिफ़्लेक्ट करके अपना दूसरा गोल करने का मौका मिला। ड्रैगफ़्लिकर दीपिका ने 14वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के ज़रिए भारत की बढ़त को और बढ़ाया और 18वें मिनट में सेट-पीस से एक और गोल करके स्कोर तेजी से 4-0 कर दिया।

दीपिका के इन दो गोलों के साथ वह टूर्नामेंट में छह गोल करके सबसे अधिक गोल करने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गईं। 4-0 की मज़बूत बढ़त के साथ दूसरे हाफ़ में पहुंचने के बाद भारत ने चिली की टीम पर दबाव बनाना जारी रखा। नेहा ने 32वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जिससे भारत की बढ़त 5-0 हो गई और शॉर्ट-कॉर्नर को गोल में बदलने का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। 39वें मिनट में रुतुजा दादासो पिसाल ने भी गोल करने वालों की लिस्ट में अपना नाम जोड़ा; उन्होंने ओपन प्ले से रिवर्स हिट लगाकर गोल किया और स्कोर 6-0 कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में चिली की फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने सविता को चुनौती दी और उन्होंने कुछ शानदार बचाव किए। हालांकि, चिली की खिलाड़ी उन्हें पार नहीं कर सकीं और भारत ने आखिरी मिनटों में अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में वैभव सूर्यवंशी पर होगी सबकी नजर

दांबुला (एजेंसी)। 21 जून इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच ट्राई नेशन ए सीरीज का बहुप्रतीक्षित फाइनल रविवार को दांबुला में खेला जाएगा। इस मुकाबले में एक बार फिर सभी की निगाहें युवा भारतीय सनसनी 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर टिकी होंगी। इस फाइनल से पहले, पिछली बार जब ये दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तो वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ियों के बीच एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। वह मुकाबला सुपर ओवर तक खिंचा था, जिसमें टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था, और उसी दौरान मैदान पर खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस हुई थी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या फाइनल में श्रीलंकाई खिलाड़ी एक बार फिर वैभव को निशाने पर लेंगे? इस सवाल का जवाब खुद श्रीलंका ए के कप्तान ने दिया है। पिछली भिड़ंत में, इंडिया ए की सुपर ओवर में हार के बाद, वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए के खिलाड़ी विशेन हालंबगे के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसमें वैभव ने हालंबगे को धक्का भी दे दिया था। इस घटना के बाद, कई रिपोर्टों में सामने आया कि हालंबगे लगातार वैभव को चिढ़ा रहे थे और ट्राई-नेशन सीरीज की शुरुआत से ही दोनों खिलाड़ियों के बीच मौखिक झड़पें हो रही थीं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हालंबगे ने भारतीय बल्लेबाज से कई बातों के अलावा यह भी कहा था, घर जाओ, यह आईपीएल नहीं है। या कुछ इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया था, जिसने स्थिति को और गरमा दिया था।

टी20 विश्व कप: भारत-साउथ अफ्रीका की ऐतिहासिक भिड़ंत, भारत की हैट्रिक पर नजरें

मैनचेस्टर (एजेंसी)। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत रविवार को एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में साउथ अफ्रीका से भिड़ेगा। लगातार दो मैच जीतने के बाद विमेन इन ब्लू की नजरें हैट्रिक लगाने पर हैं। यह मैच ऐतिहासिक है क्योंकि विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें पहली बार आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल की यादें भी ताजा करता है, जहां भारत ने साउथ अफ्रीकी टीम को हराकर ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, रविवार का मुकाबला टी20 वर्ल्ड कप का सिर्फ एक ग्रुप-स्टेज मैच है, लेकिन यह प्रोटियाज टीम के लिए बदला लेने और नॉकआउट स्टेज की ओर एक निर्णायक कदम उठाने का मौका है। हाल के वर्षों में महिला क्रिकेट में साउथ अफ्रीका और भारत के बीच एक जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता देखने को मिली है, और रविवार को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में ग्रुप 1 के इस अहम मुकाबले में इस प्रतिद्वंद्विता का एक और अध्याय लिखा जाएगा।

भारत ने इस वर्ल्ड कप में दमदार शुरुआत की है। अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 64 रन से हराया, और फिर नीदरलैंड को 95 रन से मात दी। इन दो लगातार जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के शुरुआती दावेदारों में खुद को मजबूती से स्थापित कर लिया है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही विभागों ने शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है। वहीं, दूसरी ओर साउथ अफ्रीका की शुरुआत मिली-जुली रही है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों 65 रन से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े मुकाबले में 2 विकेट से जीत दर्ज की। यह जीत उनके लिए काफी अहम थी और अब उन्हें ग्रुप 1 में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भारत के खिलाफ भी जीत दर्ज करनी होगी।

हालांकि दोनों देश विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के सभी 10 संस्करण में खेले हैं, लेकिन हैरानी की बात है कि टूर्नामेंट में यह उनका पहला मुकाबला होगा। दोनों देशों के बीच टी20 फॉर्मेट में कुल 24 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 11 और साउथ अफ्रीका ने 10 मैच जीते हैं, जबकि तीन मैच बेनतीजा रहे हैं। हालांकि, हाल के मुकाबलों में साउथ अफ्रीका को ज्यादा सफलता मिली है, उन्होंने पिछले 15 टी20 मुकाबलों में से 9 में जीत हासिल की है। यह आंकड़ा इस बात का सबूत है कि भले ही भारत का पलड़ा भारी दिखता हो, लेकिन प्रोटियाज टीम कड़ी चुनौती पेश करने में सक्षम है।

सैबारी ने दूसरे मिनट में गोल करके मोरक्को को दिलाई जीत

फॉक्सबोरो (मैसाचुसेट्स)। इस्माइल सैबारी ने गोल करने की अपनी काबिलियत का एक बार फिर से शानदार नमूना पेश करते हुए दूसरे मिनट में ही स्कोरशीट पर अपना नाम लिखवाया जिससे मोरक्को ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप सी के मैच में स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया। सैबारी को ब्राजील के खिलाफ विश्व कप में अपने पदार्पण मैच में गोल करने में केवल 21 मिनट लगे थे। लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ जिलेट स्टेडियम में उन्होंने केवल 72 सेकंड में ही गोल कर दिया जो निर्णायक साबित हुआ। इससे मोरक्को के लगातार दूसरी बार विश्व कप के नॉकआउट दौर में पहुंचने की उम्मीदें जीवंत रहीं। मोरक्को के कोच मोहम्मद ओउहबी ने कहा, 'हमें तीन अंक चाहिए थे और हमें मिल गए।' मोरक्को ने मैच की शुरुआत में ही अपनी शानदार पासिंग से स्कॉटलैंड को हैरान कर दिया। सैबारी स्कॉटलैंड के दो डिफेंडरों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़े और ब्राहिम डियाज़ ने उन्हें गेंद पास की। 25 वर्षीय फॉरवर्ड ने गेंद को लपकते ही गोलकीपर एंगस गन की पहुंच से काफी दूर नेट ऊपरी बाएं कोने में जोरदार शॉट लगाकर अपने प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया। कतर में खेले गए पिछले विश्व कप में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली मोरक्को की टीम ने ग्रुप सी का अपना पहला मैच ब्राजील के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था, जिसमें सैबारी ने उसकी तरफ से एकमात्र गोल किया था। स्कॉटलैंड ने अपने पहले मैच में हैती को 1-0 से हराया था लेकिन मोरक्को की मजबूत रक्षात्मक पंक्ति के सामने उसे स्पष्ट मौके बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। अनुकूल परिणाम हासिल नहीं करने के बावजूद स्कॉटलैंड के कोच स्टीव क्लार्क ने कहा, 'हमने उन्हें कड़ी टक्कर दी। हमें पूरा भरोसा है कि हम इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।'

फीफा विश्व कप : मैथियस कुन्हा के दो गोल से ब्राजील ने हैती को बाहर का रास्ता दिखाया

फिलाडेल्फिया (एजेंसी)। विनीसियस जूनियर ने एक गोल किया और मैथियस कुन्हा के दो गोल में से एक में मदद की, जिससे पांच बार के चैंपियन ब्राजील ने शुक्रवार रात को हैती को 3-0 से पराजित करके उसे विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। हैती 1974 के बाद पहली बार विश्व कप में खेल रहा है। वह मौजूदा विश्व कप में नॉकआउट राउंड की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है।

दूसरी तरफ ब्राजील ने अपनी लय हासिल करके अगले दौर में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्टार खिलाड़ी कुन्हा को शुरुआती लाइनअप में जगह मिली। उन्होंने दो गोल करके यह साबित कर दिया कि ब्राजील और मोरक्को के बीच 1-1 से नीरस ड्रॉ छूटे पहले मैच में उन्हें शुरुआती लाइनअप में नहीं रखना कितनी बड़ी गलती थी।

ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने पहले मैच में चौंकाने वाला फैसला लेते हुए कुन्हा को काफी देर बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतारा था। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में मौजूद 68,324 दर्शकों में से अधिकतर ब्राजील के प्रशंसक थे, जिन्हें कुन्हा ने 23वें मिनट में अपने करियर का पहला विश्व कप गोल करके रोमांचित कर दिया। इसके बाद उन्होंने 36वें मिनट में बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर ब्राजील को हैती की कमजोर टीम पर 2-0 की बढ़त दिला दी।

विनीसियस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में तीसरा गोल किया। ब्राजील के फॉरवर्ड राफिन्हा के शुरुआती गोल को ऑफसाइड के कारण अमान्य कर दिया गया था। इससे पीले रंग की जर्सी पहने सेलेकाओ (ब्राजील की टीम) के प्रशंसकों का उत्साह कुछ समय के लिए ही कम हुआ, लेकिन कुन्हा ने जल्द ही उन्हें झूमने के लिए मजबूर कर दिया। राफिन्हा को चोट के कारण पहले हाफ में ही बाहर होना पड़ा था।

हैती के प्रशंसकों ने अपनी टीम का हौसला बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के पारंपरिक युद्धघोष 'ग्रेनेडिये अलासो' (ग्रेनेडियर्स आक्रमण पर) पर नृत्य किया और गीत गाए। ब्राज़ील के प्रशंसकों ने जवाब में नारे लगाए और हैती के प्रशंसकों को याद दिलाया कि उनका देश पांच बार का विश्व कप चैंपियन है और फुटबॉल के बादशाह का घर है। वह कह रहे थे, 'हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल। सिर्फ पेले, सिर्फ पेले, सिर्फ पेले' ने किए हैं।

महिला टी-20 विश्व कप : न्यूजीलैंड ने रोमांचक जीत से खोला खाता, भारत ग्रुप-ए में शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली । आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में आखिरकार डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 4 रनों से जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में अपना खाता खोल लिया है। वेस्टइंडीज और श्रीलंका से मिली शुरुआती दो हार के बाद कीवी टीम के लिए यह जीत बेहद जरूरी थी, हालांकि आयरलैंड ने उन्हें अंत तक कड़ी टक्कर दी। इस जीत के बावजूद, न्यूजीलैंड का सेमीफाइनल में पहुंचना अभी भी काफी कठिन है, क्योंकि उन्हें अपने बचे हुए मैचों में शानदार प्रदर्शन करना होगा और अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। वहीं, दूसरी ओर भारतीय टीम ने ग्रुप-ए में अपना दबदबा कायम रखते हुए शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी है। ग्रुप-बी के पॉइंट्स टेबल पर नजर डालें तो न्यूजीलैंड इस जीत के साथ चौथे पायदान पर पहुंच पाई है। उनके ऊपर स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमें हैं। स्कॉटलैंड ने इस टूर्नामेंट में अभी तक दो मैच खेले हैं, जिसमें एक में उसे जीत मिली है और वेस्टइंडीज के खिलाफ करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था, जिससे वह तीसरे पायदान पर है। इंग्लैंड पहले और वेस्टइंडीज दूसरे स्थान पर काबिज हैं, दोनों ही टीमें अपने सभी मैच जीत चुकी हैं। सेमीफाइनल के लिए प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष-2 टीमें क्वालीफाई करेंगी, ऐसे में न्यूजीलैंड के लिए चुनौती काफी बड़ी है। न्यूजीलैंड को अपने बचे हुए दो मुकाबले स्कॉटलैंड और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों से खेलने हैं। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें हर हाल में ये दोनों मैच जीतने होंगे। एक भी गलती उन्हें टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा सकती है, और इन दो मैचों को जीतने के बाद भी उन्हें दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ सकता है।

बहस के दौरान मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बने अलमिरोन

सांता क्लारा (अमेरिका)। पराग्वे के मिडफील्डर मिगुएल अलमिरोन विश्व कप में मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह घटना पराग्वे और तुर्किए के बीच शुक्रवार रात को खेले गए ग्रुप डी के मैच के पहले हाफ के इंजरी टाइम के दौरान घटी, जब मिडफील्ड के पास फाउल के बाद अलमिरोन और मर्ट मुल्डर के बीच कहा-सुनी हो गई। अलमिरोन ने मुल्डर से कुछ कहते हुए अपना मुंह ढक लिया। इस पर मुल्डर ने तुरंत रेफरी इवान बार्टन से सजा देने की अपील की। बार्टन ने वीडियो समीक्षा का सहारा लिया और इस साल विश्व कप में लागू किए गए एक नए नियम के तहत अलमिरोन को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया। पराग्वे के कोच गुस्तावो अल्फारो ने कहा, 'नए नियम के अनुसार अगर आप मुंह ढकते हैं तो आपको मैदान से बाहर कर दिया जाएगा। मैं इसको लेकर कुछ नहीं कर सकता। हम इस पर कोई राय नहीं दे सकते।'

क्रिकेटर आकाश दीप और मुकेश कुमार बने बिहार में डीएसपी

-सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

नई दिल्ली । भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेल चुके तेज गेंदबाज आकाश दीप और कुछ मैचों में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व कर चुके मुकेश कुमार को बिहार सरकार ने स्पोर्ट्स कोटा के तहत पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद के लिए अनुशंसित किया है। इस महत्वपूर्ण जानकारी को स्वयं आकाश दीप ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट के माध्यम से साझा किया, जिसके बाद यह खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई और मिश्रित प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया। यह नियुक्ति बिहार सरकार की खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की नीति का हिस्सा मानी जा रही है। आकाश दीप ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में बिहार सरकार और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की प्रशंसा करते हुए लिखा, अभिभूत हूं, विभोर हूं। बिहार सरकार द्वारा आज मुझे और मेरे साथी क्रिकेटर मुकेश को पुलिस उपाधीक्षक पद हेतु अनुशंसित किए जाने के लिए यशस्वी मुख्यमंत्री अग्रज श्री सम्राट चौधरी एवं खेल मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह जी को कोटिश: धन्यवाद। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे लिखा, आपकी खेल को प्रोत्साहन और खिलाड़ियों को सम्मान देने की नीति युवाओं को खेल में चमकने को प्रेरित करेंगी। जय भारत, जय बिहार। यह पोस्ट बिहार के क्रिकेट जगत में खुशी और गर्व का माहौल लेकर आया, लेकिन इसके नीचे की प्रतिक्रियाएं काफी दिलचस्प रहीं। भले ही आकाश दीप और मुकेश कुमार को स्पोर्ट्स कोटा के तहत यह प्रतिष्ठित पद दिया गया हो, लेकिन कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर सवाल उठाते हुए लिखा कि सब पोस्ट आप ही लोग ले लीजिएगा तो बेरोजगार लोग क्या करेंगे? इस तरह की टिप्पणियों और ट्रोलिंग से नियुक्ति के तरीके और सरकारी नौकरियों के वितरण को लेकर समाज में चल रही बहस एक बार फिर सामने आ गई। फिलहाल, मुकेश कुमार और आकाश दीप दोनों ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं, लेकिन वे आईपीएल में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं।

टीम इंडिया को बड़ा झटका:हार्दिक पंड्या इंग्लैंड दौरे से बाहर, विराट कोहली की फिटनेस पर भी सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी लिमिटेड ओवरों की सीरीज से पहले टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा है। भारत के प्रमुख ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण इस महत्वपूर्ण दौरे से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा, टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है, जिसने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। हार्दिक की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन को प्रभावित करेगी, विशेष रूप से ऐसे समय में जब टीम एक व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का सामना कर रही है।

हार्दिक पंड्या हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे, जो उनकी चोट की गंभीरता को दर्शाता है। उन्हें यह चोट आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए लगी थी। हार्दिक, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और उपयोगी मध्यम गति की गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं, टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, खासकर सीमित ओवरों के प्रारूप में। उनकी अनुपस्थिति का मतलब है कि टीम को उनकी जगह किसी ऐसे खिलाड़ी को ढूंढना होगा जो उनकी ऑलराउंड क्षमता की भरपाई कर सके, जो एक बड़ी चुनौती होगी। उनकी लगातार चोटें न केवल उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन को बाधित कर रही हैं, बल्कि टीम के दीर्घकालिक योजनाओं पर भी असर डाल रही हैं।

दूसरी ओर, विराट कोहली की फिटनेस पर संदेह ने भी टीम प्रबंधन को विचार करने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि उनकी चोट की प्रकृति के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह चिंता का विषय है क्योंकि कोहली टीम की बल्लेबाजी रीढ़ की हड्डी हैं। उनके अनुभव और मैच जिताने की क्षमता को देखते हुए, उनकी किसी भी तरह की अनुपस्थिति या कम फिटनेस टीम के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। चयनकर्ता संभवतः उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए होंगे और अंतिम निर्णय से पहले उनकी फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार करेंगे।

हालांकि, टीम के लिए कुछ राहत भरी खबर भी है। युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल, अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल, वापसी कर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के लिए चुनी जाने वाली वनडे टीम के लिए पूरी तरह से फिट घोषित किए गए हैं। इन सभी फिट खिलाड़ियों की सीओई (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) रिपोर्ट चयनकर्ताओं को भेज दी गई है। राहुल और पंत की वापसी टीम को बल्लेबाजी में गहराई और अनुभव प्रदान करेगी, जबकि बुमराह की तेज गेंदबाजी टीम के आक्रमण को धार देगी। ध्रुव जुरेल, जिन्होंने हाल ही में शानदार प्रदर्शन किया है, अपनी युवा ऊर्जा और प्रतिभा के साथ टीम में एक नया आयाम जोड़ सकते हैं।

इन फिटनेस अपडेट्स के साथ, चयनकर्ताओं को अब हार्दिक पंड्या की जगह एक उपयुक्त ऑलराउंडर और विराट कोहली की स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी क्रम में संभावित बदलावों पर विचार करना होगा। इंग्लैंड दौरा हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, और ऐसे में प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति या फिटनेस संबंधी चिंताएं टीम के लिए एक कठिन परीक्षा पेश करती हैं। टीम प्रबंधन और कोच राहुल द्रविड़ को इन चुनौतियों का सामना करते हुए एक संतुलित और मजबूत टीम का चयन करना होगा जो इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन कर सके।